RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 167 ता. 28 दिसम्बर 2021, मंगलवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

यदि भारत को आज दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है, तो इसके पीछे हिमाचल की बहुत बड़ी ताकत है: पीएम मोदी

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज हिमाचल प्रदेश के मंडी में हिमाचल प्रदेश वैश्विक निवेशक सम्मेलन (हिमाचल प्रदेश ग्लोबल इन्वेस्टर्स मीट) के दूसरे ग्राउंड ब्रेकिंग समारोह की अध्यक्षता की। लगभग 28,000 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के माध्यम से इस सम्मेलन के द्वारा क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहन मिलने की उम्मीद है। उन्होंने 11,000 करोड़ रुपये से अधिक की जलविद्युत परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास भी किया। कुछ जलविद्युत परियोजनाएं हैं- रेणुकाजी बांध परियोजना, लुहरी चरण 1 जल विद्युत परियोजना और धौलासिद्ध जल विद्युत परियोजना। उन्होंने सावरा-कुड्डू जलविद्युत परियोजना का भी उद्घाटन किया। इस अवसर पर हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर, हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर, केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रधानमंत्री ने हिमाचल प्रदेश के साथ अपने भावनात्मक संबंध को याद करते हुए कहा कि इस राज्य और इसके पहाड़ों ने उनके जीवन में एक बड़ी भूमिका निभाई है। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की जनता को डबल इंजन सरकार के चार साल पूरे होने पर बधाई भी दी। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन चार वर्षों में, राज्य ने महामारी की चुनौती का सामना किया और विकास की ऊंचाइयों को भी छुआ। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा, 'जयराम जी और उनकी परिश्रमी टीम ने हिमाचल वासियों के सपनों को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश के लोगों के लिए 'जीवन की सुगमता' सबसे प्रमुख प्राथमिकताओं में से एक है और इसमें बिजली बहुत बड़ी भूमिका निभाती है। आज शुरू की गई जल-विद्युत परियोजनाएं पर्यावरण के अनुकूल विकास के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, 'गिरी नदी पर बन रही रेणुकाजी बांध परियोजना जब पूरी हो जाएगी तो एक बड़े क्षेत्र को इससे सीधा लाभ होगा। इस प्रोजेक्ट से जो भी आय होगी उसका भी एक बड़ा हिस्सा यहीं के विकास पर खर्च होगा। प्रधानमंत्री ने नए भारत की बदली हुई कार्यशैली को दोहराया। पर्यावरण लक्ष्यों से जुड़े कार्यों की रफ्तार पर बात की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 'भारत ने 2016 में ये लक्ष्य रखा था कि वो साल 2030 तक, अपनी कुल स्थापित बिजली क्षमता का 40 प्रतिशत, गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से पूरा करेगा। आज हर भारतीय को इसका गर्व होगा कि भारत ने अपना ये लक्ष्य, इस साल नवंबर में ही प्राप्त कर लिया है।' प्रधानमंत्री ने कहा कि ÷हमारा देश जिस प्रकार से पर्यावरण को बचाते हुए विकास को गति दे रहा है, उसकी विश्वभर में प्रशंसा हो रही है। सोलर पावर से लेकर हाइड्रो पावर तक, पवन ऊर्जा से लेकर ग्रीन हाइड्रोजन तक, देश रिन्यूएबल एनर्जी के हर संसाधन को पूरी तरह इस्तेमाल करने के लिए निरंतर काम कर रहा है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को 148.37 करोड़ से अधिक टीके प्रदान किये

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार देशभर में कोविड-19 टीकाकरण का दायरा विस्तृत करने और लोगों को टीके लगाने की गति को तेज करने के लिये प्रतिबद्ध है। कोविड-19 के टीके को सभी के लिए उपलब्ध कराने के लिए नया चरण 21 जून 2021 से शुरू किया गया था। टीकाकरण अभियान की रफ्तार को अधिक से अधिक टीके की उपलब्धता के जरिये बढ़ाया गया है। इसके तहत राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की उपलब्धता के बारे में पूर्व सूचना प्रदान की जाती है, ताकि वे बेहतर योजना के साथ टीके लगाने का बंदोबस्त कर सकें और टीके की आपूर्ति श्रृंखला को दुरुस्त किया जा सके। देशव्यापी टीकाकरण अभियान के हिस्से के रूप में केंद्र सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क कोविड टीके प्रदान करके उन्हें पूर्ण सहयोग दे रही है। टीके की सर्व-उपलब्धता के नये चरण में, केंद्र सरकार टीका निर्माताओं से 75 प्रतिशत टीके खरीदकर राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निःशुल्क प्रदान करेगी। केंद्र सरकार द्वारा अब तक निःशुल्क और सीधे राज्य सरकार खरीद माध्यमों से टीके की 148.37 करोड़ से अधिक (1,48,37,98,635) खुराकें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उपलब्ध कराई गई हैं। अभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड-19 टीके की 17.72 करोड़ से अधिक (17,72,05,206) अतिरिक्त और बिना इस्तेमाल हुई खुराकें उपलब्ध है, जिन्हें लगाया जाना है।

पीएम मोदी ने राज्यसभा सांसद महेन्द्र प्रसाद के निधन पर शोक व्यक्त किया

नई दिल्ली ।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्य सभा सांसद डॉ. महेन्द्र प्रसाद के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा है कि ÷राज्य सभा सांसद डॉ. महेन्द्र प्रसाद जी के निधन से दुखी हूं। उन्होंने कई वर्षों तक संसद की सेवा की और वे तमाम सामुदायिक सेवा कार्यों में हमेशा आगे रहे। उन्होंने बिहार और वहां के लोगों के लिये सदैव आवाज उठाई है। उनके परिवार के प्रति संवेदनायें। ओम् शांति।÷

सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर पर ग्रेनेड हमला

जम्मू ।

आतंकियों के खिलाफ सुरक्षा बलों के कड़े तेवर से बौखलाए आतंकियों ने हिट एंड रन की नीति पर काम करने के प्रयास कर रहे हैं।फिर आतंकियों ले बिजबेहाड़ा में ग्रेनेड हमला किया। इस बार आतंकियों ने सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर को निशाना बनाया, लेकिन फिलहाल इसमें किसी नुकसान की कोई सूचना नहीं मिल रही है। दूसरी ओर हमले के तुरंत बाद सुरक्षा बलों ने इलाके को घेरकर सर्च आपरेशन शुरू कर दिया है। मुताबिक अनंतनाग जिला अंतर्गत पड़ने वाले बिजबेहाड़ा में सीआरपीएफ के जवान रुटीन गश्त पर थे। तभी नेशनल हाईवे पर बिजबेहाड़ा चौराहे के पास अरवानी क्रॉसिंग पर आतंकियों ने सीआरपीएफ के मोबाइल बंकर पर ग्रेनेड फेंका। संयोग से इस हमले में कोई बड़ी क्षति नहीं हुई। माना जा रहा है कि हमला करने वाले लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन द रजिस्टेंस फ्रंट के आतंकी थे। बहरहाल, अभी कुछ स्पष्ट कहा नहीं गया है।

नरोत्तम मिश्रा की चेतावनी के बाद मधुबन गाने का लिरिक्स और नाम बदलेगा सारेगामा म्यूजिक

भोपाल । मध्य प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा के बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोनी के 'मधुबन में राधिका नाचे' गाने पर किए गए डांस पर चेतावनी देने के बाद सारेगामा म्यूजिक ने गाने का लिरिक्स और नाम बदलने का निर्णय लिया है। सारेगामा म्यूजिक 3 दिन के अंदर सभी जगहों से गाना हटाएगा। जिसके बाद नए लिरिक्स के साथ नया गाना लॉच किया जाएगा। गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने अभिनेत्री सनी लियोनी और शारिब तोशी को 3 दिन के अंदर माफी मांगने और गाना हटाने की चेतावनी दी थी। साधु संतों ने धार्मिक भावनाओं को चोट पहुंचाने का आरोप लगाया था। नरोत्तम मिश्रा ने कहा अब यह मामला खत्म हो चुका है। इस तरह का वीडियो नहीं बनाए जाने चाहिए। जिससे धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचे और बाद में माफी मांगनी पड़े। अभी हमने सिर्फ चेतावनी दी है, आगे कार्रवाई करेंगे। इससे पहले गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा था कि कुछ विधर्मी लगातार हिंदू मान्यताओं को आहत कर रहे हैं। राधा हमारी मां हैं। देश में राधा के अलग-अलग मंदिर हैं। माता राधा की पूजा की जाती है। उन्होंने कहा कि क्या शाकिब तोशी अपने धर्म पर भी इसी तरह का गाना बना सकते हैं? उल्लेखनीय है कि हाल ही में सनी लियोनी का एक गाना मधुबन रिलीज हुआ है। गाने में सनी लियोनी के डांस पर लोगों ने आपत्ति जताई है। उत्तर प्रदेश की धार्मिक नगरी मथुरा के संत भी इस गाने के वीडियो पर बैन लगाने की मांग कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने युवा उद्यमियों से खेलों तथा आउटडोर गतिविधियों के लिए समय निकालने का आग्रह किया

नई दिल्ली ।

उपराष्ट्रपति वेंकैया नायडु ने कार्य और जीवन के बीच संतुलन बनाये रखने की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि व्यक्ति को अपने पेशेवर कर्तव्यों तथा पारिवारिक दायित्वों को समान रूप से महत्व देना चाहिए। उपराष्ट्रपति आज चेन्नई में 'डॉ.वी.एल. दत्त : गिल्प्पेंस ऑफ ए पायनियर्स लाइफ जर्नी' पुस्तक का विमोचन कर रहे थे। यह पुस्तक वी.एल. इंदिरा दत्त ने लिखी है। उपराष्ट्रपति ने सभी कारोबारी हस्तियों से आग्रह किया कि वे अपनी एचआर नीतियां इस तरह बनाएं कि कर्मचारी सहज रूप से जीवन और कार्य के बीच संतुलन बना सकें। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कर्मचारियों का कार्य प्रदर्शन बेहतर होगा, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य की समस्या का समाधान भी होगा, जो हमारे समाज में बढ़ रही है। नायडु ने कहा कि जब लोग बढ़ते तनाव का सामना कर रहे होते हैं उस समय मानसिक स्वास्थ्य शारीरिक स्वास्थ्य के बराबर महत्व रखता है। उन्होंने लोगों से प्रकृति के बीच समय गुजारने और स्वयं को तनाव मुक्त करने के लिए बाहरी गतिविधियों में भाग लेने की आवश्यकता जताई। पूर्व उद्योगपति वी.एल. दत्त द्वारा अपने परिवार और व्यावसायिक दुनिया के बीच संतुलन बनाये रखने की सराहना करते हुए कहा कि यह सभी कारोबारियों और उद्यमियों के लिए प्रेरणा हो सकता है। उपराष्ट्रपति ने दत्त को जनमानस बताया। उन्होंने कहा कि श्री दत्त लोगों के साथ रहने और उन्हें महत्व प्रदान करने में आनंदित होते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि कड़ी स्पर्धा वाले व्यावसायिक माहौल में यह बात आजकल नहीं देखी जाती। उन्होंने कहा कि श्री दत्त के लिए सबसे पहले उनके कर्मचारी थे और वे उनकी चिंता करते थे। इस पुस्तक में अपने प्रिय पति की यादों और अनुभवों को साझा करने के लिए श्रीमती वी.एल. इंदिरा दत्त की सराहना की। नायडु ने कहा कि यह पुस्तक इस कारोबारी हस्ती के मानवीय पक्ष को उजागर करती है और पाठकों को उन्हें एक पारिवारिक व्यक्ति और पति, पिता तथा मित्र के रूप में उनके आचरण को जानने का अवसर प्रदान करती है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एक नामी कारोबारी कार्पोरेटर का जीवन बिताने के बावजूद श्री दत्त बुजुर्गों के सम्मान, विनम्रता, सेवा तथा करुणा के गुणों को कभी नहीं भूले। उपराष्ट्रपति ने इन गुणों को अपनी सभ्यता का मूल्य बताते हुए कहा कि वर्तमान पीढ़ी को श्री दत्त जैसे व्यक्तित्वों से प्रेरणा लेनी चाहिए। उपराष्ट्रपति ने पुस्तक में इंदिरा दत्त की इस बात से सहमति जताई कि संयुक्त परिवार व्यवस्था टूटने से आपसी देखभाल और चिंता, समायोजन की भावना और सामूहिक लोकाचार में कमी आई है। नायडु ने कहा कि भारतीय संयुक्त परिवार व्यवस्था के मूल्यों के लिए विश्व में इसकी प्रशंसा की जाती है। नायडु ने युवाओं को सदियों पुरानी इस व्यवस्था को बनाये रखने और इसका प्रचार करने की सलाह दी।

पंजाब विधानसभा चुनाव के आमने-सामने होंगे पीएम मोदी और राहुल गांधी

नई दिल्ली ।

आगामी विधानसभा चुनाव के लिए वैसे सभी पार्टियों के प्रादेशिक नेताओं चरणजीत चन्नी, नवजोत सिद्धू, सुखबीर बादल, भगवंत मान आदि द्वारा लगातार रैलियां की जा रही हैं, जहां तक केंद्रीय नेताओं का सवाल है। उसमें सिर्फ आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल द्वारा पंजाब में एक के बाद एक दौरे किए जा रहे हैं।वहीं कांग्रेस की तरफ से 3 जनवरी को मोगा के नजदीक रखी गई रैली में शामिल होने के लिए राहुल गांधी पहुंच रहे हैं। वहीं यूपी में ज्यादा समय बिताने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इसी दिन पंजाब में रैली करने की चर्चा सुनने को मिल रही है। हालांकि भाजपा द्वारा इसकी आधिकारिक तौर पर पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन सूत्रों के मुताबिक यह रैली होशियारपुर या फिरोजपुर के इलाकों में हो सकती है। इसके पहले सोमवार को गृहमंत्री अमित शाह के साथ हुई कैप्टन अमरिंदर सिंह व सुखदेव ढींडसा की मीटिंग के बाद भाजपा के केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा मिलकर चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी गई है। वहीं दूसरी तरफ सियासी गलियारों में काफी दिनों से चर्चा चल रही है, कि पीएम मोदी द्वारा पंजाबवासियों के लिए कई बड़ी घोषणाएं की जा सकती हैं। पी.एम. मोदी की होने वाली रैली के दौरान कांग्रेस व दूसरी पार्टियों के बड़े नेताओं को भाजपा में शामिल किया जा सकता है। इसी तरह पंजाब को चंडीगढ़ देने, कर्ज माफी, किसानों व इंडस्ट्री के लिए पैकेज देने की बात कही जा रही हैं।

महंगी हो जाएगी ओला-उबर की सवारी, जीएसटी के दायरे में आएगा

नई दिल्ली ।

नया साल आम लोगों के लिए महंगाई का दोहरा डोज लेकर आ रहा है।एक जनवरी से कई चीजों और सर्विसेज पर टैक्स (जीएसटी) बढ़ने वाले हैं।अभी तक टैक्स के दायरे से बाहर रहीं कुछ चीजों और सर्विसेज को भी अब टैक्सेबल बनाया गया है।जीएसटी काउंसिल ने पिछली बैठक में टैक्स को लेकर कुछ बड़े फैसले लिए। इनमें 1000 रुपये से कम के रेडीमेड कपड़ों और जूतों पर जीएसटी की दर पांच फीसदी से बढ़ाकर 12 फीसदी करना और ऑनलाइन फूड ऑर्डर पर अब रेस्टोरेंट के बजाय डिलीवरी सर्विस प्रोवाइडर से ही टैक्स वसूल करना शामिल है।इसके अलावा अब एप बेस्ड कैब सर्विस प्रोवाइडर के माध्यम से बुक किए गए ऑटो के किराये पर भी जीएसटी लगाने का फैसला किया गया है। जीएसटी काउंसिल के फैसले का सामान्य ऑटो के किराये पर कोई असर नहीं होगा।इन्हें अभी भी जीएसटी के दायरे से बाहर रखा गया है।सरकार एप से ऑटो बुक करने वाले कम्प्यूटर्स को प्रीमियम कैटेगरी का मानती है, इसी कारण अब एप बेस्ड कैब के साथ ही एप बेस्ड ऑटो को भी जीएसटी के दायरे में लाया जा रहा है। मोदी सरकार के फैसले से आम लोगों पर बोझ बढ़ने की आशंका है।अभी तक कम्यूटर ऑटो चालकों की मनमानी से बचने के लिए ऑनलाइन बुकिंग पसंद करते थे।अब यह सुविधा पांच फीसदी महंगी होने जा रही है।बदलाव के बाद ऑफलाइन ऑटो बुक करना भी महंगा हो सकता है।ऑनलाइन ऑटो बुकिंग पर टैक्स लगने के बाद ऑफलाइन बुकिंग में ऑटो ड्राइवर अब अधिक किराये की डिमांड कर सकते हैं।

पंजाब में कांग्रेस का चेहरा होंगे के सीएम चन्नी

राहुल गांधी की मोगा रैली से होगा चुनावी प्रचार का आगाज

नई दिल्ली ।

पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में कांग्रेस चुनाव लड़ेगी। हालांकि इस बीच चुनावी अभियान की औपचारिक शुरुआत करने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी नए साल में 3 जनवरी को पंजाब के मोगा पहुंचकर कर रैली कर प्रचार का आगाज करेंगे। दरअसल मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के नेतृत्व में पंजाब चुनाव लड़ना कांग्रेस नेतृत्व के लिये भी आसान नहीं होगा। पंजाब कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू लगातार इसका विरोध करते रहे हैं, ऐसे में कांग्रेस नेतृत्व के लिए राहुल का यह दौरा सिद्धू और चन्नी के बीच सामंजस्य बैठाने की एक पहल मानी जा रही है। इससे पहले उत्तराखंड में इसी तरीके की तकरार के बीच मामले को राहुल गांधी ने शांत करते हुए हरीश रावत के नेतृत्व में चुनाव लड़ने का फैसला किया गया था।

गौरतलब है कि पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों के लिए कांग्रेस पार्टी ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। हाल ही में कांग्रेस पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन को लेकर दिल्ली में दो स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक आयोजित की। जिसमें मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी और प्रदेश अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू भी मौजूद रहे। इसके साथ ही कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने पंजाब सांसदों की एक बैठक की थी, जिसमें कैप्टन अमरिंदर सिंह को लेकर चर्चा की गई थी। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस विधायकों के लगातार संपर्क में हैं। माना जा रहा है पार्टी के 17 विधायक कैप्टन से संपर्क बनाए हुए हैं। ऐसे में विधायकों के कैप्टन के समर्थन में जाना, पार्टी के लिए बेहद नुकसानदेह साबित हो सकता है। इसी नुकसान को रोकने के लिए कांग्रेस पार्टी ने राहुल गांधी की ओर से चुनावी अभियान की औपचारिक शुरूआत करने का फैसला लिया है। राहुल गांधी का यह पंजाब दौरा लगभग 15 महीने के बाद होने जा रहा है, इससे पहले राहुल किसानों के विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लेने पंजाब गए थे। मोगा पंजाब के केंद्र में है, इसलिए कांग्रेस को राहुल की रैली के लिए ये जगह उपयुक्त लगती है। हाल ही में शिरोमणि अकाली दल ने भी अपनी पार्टी के 100 साल पूरे होने के मौके पर इसी जगह पर कार्यक्रम का आयोजन किया था।

मौसम विभाग ने बताया, बारिश और बर्फबारी के साथ होगा नए साल का स्वागत

नई दिल्ली ।

दिल्ली सहित कई अन्य राज्यों में रविवार को जमकर बारिश हुई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अभी और कई राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।मौसम विभाग के अनुसार बुधवार यानी 29 दिसंबर तक कुछ उत्तरी राज्यों में बारिश और बर्फबारी हो सकती है। सोमवार और मंगलवार जम्मू-कश्मीर,लद्दाख और हिमाचल प्रदेश में बारिश और बर्फबारी की संभावना है।उत्तराखंड में सोमवार से शुरू होकर बुधवार तक ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। केंद्रीय मौसम पूर्वानुमान एजेंसी के ताजा अपडेट के अनुसार पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली और राजस्थान में भी सोमवार और मंगलवार को बारिश होने की संभावना है। उत्तरप्रदेश के कई हिस्सों में सोमवार से बुधवार तक मध्यम बारिश होने की संभावना है। मंगलवार (28 दिसंबर) को पूर्वी और उससे सटे पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में भी गरज के साथ छींटे पड़ने, बिजली गिरने और ओलावृष्टि की संभावना है। वहीं मध्य भारत में मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में बारिश का अनुमान है, जबकि पूर्वी हिस्से में बिहार, झारखंड, ओडिशा और पश्चिम बंगाल में 28 से 30 दिसंबर के दौरान बारिश होने की संभावना है।आइएमडी ने 27 और 28 तारीख पश्चिम बंगाल, सिक्किम के कई हिस्सों में गरज के साथ ओलावृष्टि की भविष्यवाणी की है। 28 और 29 तारीख को पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 28 दिसंबर को पश्चिम मध्य प्रदेश, बिहार और झारखंड में भी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने बिहार में दो दिनों बुधवार और गुरुवार को शीत लहर की भविष्यवाणी की है, जबकि पंजाब, हरियाणा और चंडीगढ़ में 31 दिसंबर को इसी तरह की स्थिति देखने की संभावना है। बता दें कि उत्तराखंड में हिमपात का असर देखने को मिल रहा है कि एक ही दिन में पारा तीन से चार डिग्री तक गिर गया। उत्तराखंड स्थित चार धाम में जमकर बर्फबारी हुई है। जबकि, नैनीताल में बर्फ की फाहें गिरीं। वहीं, भारतीय सेना ने बताया कि 25 दिसंबर को लगभग 1027 पर्यटक जो शनिवार को भारी हिमपात के बाद नाथु ला में चीन सीमा के पास पूर्वी सिक्किम के ऊपरी इलाकों में फंसे हुए थे, उन्हें सेना ने बचाया। सोमवार को उत्तर भारत के कई राज्यों में बारिश की संभावना है।

लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने से उनको पढ़ने और करियर बनाने का पूरा समय मिलेगा : पीएम मोदी

मंडी ।

हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाए जाने से उनको पढ़ाई करने और करियर बनाने के लिए समय मिलेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने फैसला लिया है कि लड़कियों की भी शादी की उम्र वही हो, जो लड़कियों के लिए है। शादी की उम्र 21 साल किए जाने से लड़कियों को भी अपनी पढ़ाई जारी रखने और करियर बनाने का मौका मिलेगा। शीत सत्र में ही महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति इरानी ने लड़कियों की शादी की उम्र बढ़ाने का विधेयक लोकसभा में पेश किया गया था। इस विधेयक को फिलहाल संसद की स्थायी समिति के समक्ष विचार के लिए पेश किया गया है। पीएम मोदी ने कहा, 'लड़कियों की शादी की उम्र 21 साल होने से उन्हें पढ़ने और अपना भविष्य बनाने का समय मिलेगा। इसके बीच आप एक दूसरा मॉडल भी देख रहे होंगे जो अपना स्वार्थ देखता है। जिन राज्यों में वो सरकार चला रहे हैं उसमें प्राथमिकता गरीब के कल्याण की नहीं बल्कि खुद के कल्याण की हैं।' पीएम नरेंद्र मोदी ने इस मौके पर विपक्षी दल कांग्रेस पर भी निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, 'राज्य में विकास के दो मॉडल चल रहे हैं। एक मॉडल है, सबका साथ और सबका विकास। दूसरा मॉडल है- खुद का स्वार्थ और परिवार का स्वार्थ। हिमाचल प्रदेश की सरकार पहले विकास मॉडल पर काम कर रही है और उसी के तहत उसने राज्य में विकास के कामों को आगे बढ़ाया है।' पीएम नरेंद्र मोदी ने मंडी जिले में 11,000 करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के दौरान यह बात कही। पीएम नरेंद्र मोदी ने यहां रेणूका बांध परियोजना की शुरुआत की है। यह परियोजना बीते तीन दशकों से लंबित थी। पीएम ऑफिस की ओर से दी गई जानकारी में बताया गया है कि इस प्रोजेक्ट के लिए सरकार ने हिमाचल प्रदेश, यूपी, हरियाणा, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली को साथ लाने का काम किया है। यहां 40 मेगावॉट प्रोजेक्ट 7,000 करोड़ रुपए की लागत से तैयार किया जाएगा।

यह प्रोजेक्ट दिल्ली के लिए अहम माना जा रहा है, जिसे इस परियोजना के माध्यम से हर साल 500 मिलियन क्यूबिक मीटर पानी की सप्लाई मिल सकेगी।

सरकार ने मदर टेरेसा मिशनरीज ऑफ चैरिटी के बैंक खातों 'को फ्रीज' नहीं किया: गृह मंत्रालय

नई दिल्ली ।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि विदेशी अभिदाय (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) पंजीकरण के नवीनीकरण के लिए मिशनरीज ऑफ चैरिटी के आवेदन को पात्रता शर्तों को पूरा नहीं करने के कारण 25 दिसंबर को खारिज कर दिया गया था। गृह मंत्रालय ने हालाँकि स्पष्ट किया है कि सरकार ने मदर टेरेसा मिशनरीज ऑफ चैरिटी के बैंक खातों 'को फ्रीज' नहीं किया है। मंत्रालय ने इसके साथ ही यह भी दावा किया कि कोलकाता स्थित इस सस्थान ने खुद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया को पत्र लिखकर अपने अकाउंट को सस्पेंड करने का आग्रह किया था। गृह मंत्रालय के इस बयान से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया था कि केंद्र सरकार ने मदर टेरेसा द्वारा स्थापित संस्था के सभी बैंक खातों से लेन-देन पर रोक लगा दी है। पश्चिम बंगाल की सीएम ने ट्वीट किया था, ''क्रिसमस पर यह बात सुनकर स्तब्ध हूं कि केंद्र सरकार ने भारत में मदर टेरेसा के मिशनरीज ऑफ चैरिटी के सभी बैंक खातों से लेन-देन को रोक दिया है। उनके 22,000 रोगियों और कर्मचारियों को भोजन और दवाएं नहीं मिल पा रहीं।'' ममता ने कहा, ''कानून सर्वोपरि है, लेकिन मानवीय प्रयासों से समझौता नहीं होना चाहिए।'' गृह मंत्रालय बयान के अनुसार, ''मिशनरीज ऑफ चैरिटी से नवीनीकरण आवेदन को खारिज करने के फैसले की समीक्षा के लिए कोई अनुरोध नहीं मिला है।'' एफसीआरए के तहत मिशनरीज ऑफ चैरिटी का पंजीकरण 31 अक्टूबर, 2021 तक वैध था। गृह मंत्रालय ने कहा कि वैधता को 31 दिसंबर, 2021 तक बढ़ाया गया था। बयान में कहा गया, ''हालांकि मिशनरीज ऑफ चैरिटी के नवीनीकरण आवेदन पर विचार करते हुए कुछ प्रतिकूल जानकारियां देखी गयीं। इन्हें देखते हुए आवेदन को खारिज कर दिया गया।'' उसने कहा कि मिशनरीज ऑफ चैरिटी का एफसीआरए पंजीकरण 31 दिसंबर, 2021 तक वैध था और मंत्रालय ने उसके किसी बैंक खाते पर रोक नहीं लगाई है। गौरतलब है कि मिशनरीज ऑफ चैरिटी एक कैथोलिक धार्मिक संस्था ,है जिसकी स्थापना मदर टेरेसा ने 1950 में की थी।

उत्तराखंड- चुनाव से पहले अंतर्कलह से जूझती कांग्रेस, आलाकमान परेशान

देहरादून । उत्तराखंड में अगले साल विधानसभा के चुनाव होने है। ऐसे समय में कांग्रेस में अंतर्कलह से जूझ रही है। राज्य में पार्टी के वरिष्ठ नेता हरीश रावत हाशिए पर चल रहे हैं। हाल में ही हरीश रावत ने ट्वीट कर यह कह दिया था कि राजनीति से विश्राम लेने की जरूरत है। उनके इस ट्वीट के बाद उत्तराखंड कांग्रेस में चल रही अंदरूनी कलह एक बार फिर से सामने आ गई। उत्तराखंड में अंदरूनी कलह और खेमेबाजी की वजह से आलाकमान भी पशोपेश की स्थिति में है। नेतृत्व यह तय नहीं कर पा रहा है कि उसे सीएम उम्मीदवार के साथ चुनाव में उतरना चाहिए या फिर बिना किसी चेहरे के। हालांकि हरीश रावत लगातार यह कह रहे हैं कि पार्टी को सीएम उम्मीदवार के चेहरे पर ही चुनाव मैदान में उतरना चाहिए वरना यह लड़ाई नरेंद्र मोदी बनाम कांग्रेस हो जाएगी जिसकी वजह से पार्टी को नुकसान होगा। वहीं, उत्तराखंड के ही कांग्रेस के कई नेता हरीश रावत के इस बयान को उनकी स्वार्थ मान रहे हैं। कई नेताओं का यह मानना है कि हरीश रावत सिर्फ अपना देख रहे हैं। वह राज्य में पार्टी के बारे में नहीं सोच रहे हैं। कांग्रेस के ही कई नेताओं ने यह दावा किया है कि भाजपा के कई वरिष्ठ नेता पार्टी में शामिल होना चाहते हैं लेकिन हरीश रावत उन्हें आने नहीं देना चाह रहे। वर्तमान स्थिति में देखें तो उत्तराखंड कांग्रेस में फिलहाल हरीश रावत की स्वीकार्यता कम हुई है।

ममता का दावा मदर टेरेसा की बनाई संस्था के बैंक अकाउंट फ्रीज, संस्था ने कहा सारे बैंक खाते चालू

नई दिल्ली ।

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दावा किया कि मदर टेरेसा की बनाई संस्था के सारे बैंक अकाउंट केंद्र सरकार ने फ्रीज कर दिए हैं।वहीं दूसरी ओर मिशनरीज का कहना है कि उन्हें ऐसी कोई जानकारी नहीं है और उनके सारे बैंक अकाउंट ठीक से काम कर रहे हैं। दरअसल मुख्यमंत्री ममता ने ट्वीट किया, यह सुनकर हैरानी हुई कि गृहमंत्रालय ने क्रिसमस के दिन मदर टेरेसा की मिशनरीज ऑफ चैरिटी के सारे बैंक अकाउंट भारत में फ्रीज कर दिया है। इससे मिशनरीज के 22 हजार मरीजों और कर्मचारियों के पास न खाना बचा है, न दवा। कानून भले ही सबसे ऊपर है, लेकिन मानवीय प्रयासों से भी समझौता नहीं किया जाना चाहिए। वहीं दूसरी ओर मिशनरीज ऑफ चैरिटी ने ऐसी किसी कार्रवाई से इनकार किया।मिशनरीज ऑफ चैरिटी के प्रवक्ता ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा किसी खाते को फ्रीज किए जाने की उन्हें कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने दावा किया कि सारे बैंक खाते सही से काम कर रहे हैं।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग की टीम जाएगी यूपी

नई दिल्ली । उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों का जायजा लेने के लिए चुनाव आयोग की टीम मंगलवार से 3 दिन के लखनऊ दौरे पर जा रही है। 48 घंटे के अपने इस दौरे में चुनाव आयोग की टीम मैराथन बैठकें करेगी और इस दौरान हर एक मुद्दे पर निर्वाचन आयोग की टीम अधिकारियों के साथ साथ सियासी दलों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा भी करेगी। चुनाव आयोग की टीम का ये दौरा काफी अहम माना जा रहा है क्योंकि इस दौरे के बाद जब निर्वाचन आयोग की टीम दिल्ली जाएगी। उसके बाद यूपी में होने विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होगा।

निर्वाचन आयोग की 13 सदस्यीय टीम 28 दिसंबर को दोपहर तीन बजे के आसपास लखनऊ एयरपोर्ट पर उतरेगी और उसके बाद बैठकों का सिलसिला शुरू होगा। शाम चार बजे सबसे पहले चुनाव आयोग राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दलों के प्रतिनिधियों साथ बैठक करेगा। ये बैठक योजना भवन में लगभग दो घंटे तक चलेगी। इस दौरान सियासी दलों के लोग अपनी शिकायतें और सुझाव आयोग के साथ साझा करेंगें। पहले दिन चुनाव आयोग की टीम तकरीबन पांच घंटे तक अलग-अलग बैठकें करेगी। शाम 6.15 बजे से 7.30 बजे तक राज्य पुलिस नोडल अधिकारियों/केंद्रीय पुलिस फोर्स के नोडल अधिकारियों के साथ बैठक होगी फिर उसके बाद शाम 7.30 बजे से रात 9 बजे तक विभिन्न प्रवर्तन एजेंसियों के साथ बैठक होगी। निर्वाचन आयोग की इस टीम में मुख्य चुनाव आयुक्त सुशील चंद्रा के अलावा चुनाव आयुक्त राजीव कुमार और अनूप चंद्र पांडेय भी शामिल रहेंगे। कुल 13 सदस्यीय ये प्रतिनिधिमंडल तीन दिनों तक चुनाव से जुड़ी हर एक चीज पर चर्चा करेगी। पहले दिन 28 दिसंबर को जहां 5 घंटे तक बैठकें होंगी तो वही अगले दिन यानी 29 दिसंबर को तो बैठकों का सिलसिला सुबह 9:30 बजे से शुरू होकर रात 9 बजे तक लगभग 12 घंटे तक चलेगा।

इत्र कारोबारी पीयूष जैन को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया

कानपुर ।

करोड़ों की कर चोरी और अघोषित संपत्ति मिलने के मामले में कानपुर के इत्र व्यापारी पीयूष जैन को सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है। रविवार रात को गिरफ्तार करने के बाद पीयूष जैन को सोमवार को रिमांड मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया।डीजी जीएसटी इंटेलिजेंस टीम का प्रयास पीयूष जैन को अपनी रिमांड में लेने का रहेगा। इसके पहले पान मसाला तथा अन्य व्यवसाय से जुड़े अकूत संपत्ति के मालिक पीयूष जैन को सोमवार को कानपुर में महानगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया गया। रविवार को गिरफ्तारी के बाद पीयूष जैन रात भर कानपुर के काकादेव थाने में रहा और सुबह जीएसटी टीम कोर्ट में पेश करने अपने साथ लेकर गई। पेशी के बाद कोर्ट में दरवाजा बंदकर जैन की रिमांड को लेकर बहस चली।सोमवार की सुबह मेडिकल कराने के बाद चार बजे पीयूष जैन को रिमांड मजिस्ट्रेट की कोर्ट में पेश किया गया। जीएसटी की टीम ने इत्र कारोबारी के कानपुर और कन्नौज स्थित आवास व अन्य ठिकानों से 300 करोड़ रुपए से अधिक की अघोषित संपत्ति जब्त की है।मामले में रविवार को जीएसटी ने इत्र कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया था। मीडिया के लोगों ने उससे तमाम बाहर बातचीत करने की कोशिश की लेकिन उसने मुंह नहीं खोला। इसके बाद सुबह करीब 10:30 बजे जीएसटी की टीम दोबारा कल्याणपुर थाने में पहुंची। इसके बाद दोपहर 12:50 पर जीएसटी की टीम भारी सुरक्षा के बीच उसे अपने साथ ले गई। उसका हैलेट में मेडिकल परीक्षण भी कराया गया है। दोपहर बाद इत्र कारोबारी पीयूष जैन को रिमांड मजिस्ट्रेट कोर्ट योगिता सिंह की कोर्ट में पेश किया गया।

राष्ट्रव्यापी कोविड टीकाकरण के तहत अब तक 141.70 करोड़ से अधिक टीके लगाए जा चुके हैं

नई दिल्ली ।

पिछले 24 घंटों में 29,93,283 वैक्सीन की खुराक देने के साथ ही भारत का कोविड-19 टीकाकरण कवरेज आज सुबह 7 बजे तक अंतिम रिपोर्ट के अनुसार 141.70 करोड़ (1,41,70,25,654) से अधिक हो गया। इस उपलब्धि को 1,50,57,142 टीकाकरण सत्रों के जरिये प्राप्त किया है। पिछले 24 घंटों में 7,141 रोगियों के ठीक होने के साथ ही स्वस्थ होने वाले मरीजों (महामारी की शुरुआत के बाद से) की कुल संख्या बढ़कर 3,42,37,495 हो गई है। भारत में स्वस्थ होने की दर 98.40 त है। मार्च 2020 के बाद से ये अधिकतम है। केंद्र और राज्यों द्वारा निरंतर और सहयोगात्मक रूप से किए जा रहे प्रयासों के फलस्वरूप पिछले 60 दिनों से लगातार 15,000 से कम दैनिक नए कोविड मामले दर्ज किए जा रहे हैं। पिछले 24 घंटे में 6,531 नए मरीज सामने आए हैं। वर्तमान में 75,841 सक्रिय रोगी हैं। वर्तमान में ये सक्रिय मामले देश के कुल पुष्टि वाले मरीजों का 0.22 प्रतिशत हैं। यह मार्च 2020 के बाद से सबसे कम है। देश भर में जांच क्षमता का विस्तार लगातार जारी है। पिछले 24 घंटों में कुल 7,52,935 जांच की गई हैं। भारत ने अब तक कुल 67.29 करोड़ (67,29,36,621) जांच की गई हैं। देश भर में जांच क्षमता को बढ़ाया गया है, साप्ताहिक पुष्टि वाले मामलों की दर 0.63 प्रतिशत है जो पिछले 43 दिनों से लगातार 1% से कम बनी हुई है। दैनिक रूप से पुष्टि वाले मामलों की दर 0.87 प्रतिशत है। दैनिक सकारात्मकता दर पिछले 84 दिनों से 2 प्रतिशत से कम और लगातार 119 दिनों से दैनिक 3 प्रतिशत से नीचे बनी हुई है।

चंडीगढ़ में आप पार्टी की जीत

पंजाब में आने वाले बदलाव का संकेत: सीएम केजरीवाल

नई दिल्ली ।

चंड़ीगढ़ नगर निगम के चुनाव में आम आदमी पार्टी ने आज ऐतिहासिक जीत दर्ज कर सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है। आम आदमी पार्टी पहली बार चंडीगढ़ नगर निगम चुनाव में उतरी थी और भाजपा के गढ़ रहे चंडीगढ़ नगर निगम की 14 वार्डों में जीत दर्ज की। इस ऐतिहासिक जीत पर खुशी व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने पार्टी के सभी विजयी उत्मीदवारों और कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि चंडीगढ़ में आम आदमी पार्टी की यह जीत पंजाब में आने वाले बदलाव का संकेत है। चंडीगढ़ के लोगों ने आज भ्रष्ट राजनीति को नकारते हुए 'आप' की ईमानदार राजनीति को चुना है। वहीं, दिल्ली के डिप्टी सीएम एवं 'आप' के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने कहा कि यह जीत संकेत है कि अगर विकल्प हो, तो लोग 'ईमानदारी और काम करने वाली राजनीति' को मौक़ा देना चाहते हैं। वहीं, आम आदमी पार्टी अब राष्ट्रीय स्तर पर भी एक विकल्प बन कर उभरी है। दूसरी तरफ, सोशल मीडिया पर चर्चा है कि चंडीगढ़ के बाद दिल्ली एमसीडी में भी आम आदमी पार्टी का परचम लहराएगा। 'आप' के वरिष्ठ नेता दुर्गेश पाठक ने कहा कि चंडीगढ़ नगर निगम से चली जीत की यह लहर दिल्ली नगर निगम तक पहुंचेगी। भारतीय जनता पार्टी के गढ़ रहे चंडीगढ़ नगर निगम के कुल 35 वार्डों में बीते 24 दिसंबर को मतदान हुआ था। वर्तमान में चंडीगढ़ नगर निगम में भाजपा की ही सरकार थी। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी पहली बार मैदान में उतरी थी। आम आदमी पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इस चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के लिए दिन-रात मेहनत की। गत 19 दिसंबर को 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ में एक जनसभा को संबोधित कर वहां की जनता से आम आदमी पार्टी की ईमानदार राजनीति को एक मौका देने का आह्वान किए थे। चंडीगढ़ की जनता ने 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनकी ईमानदार राजनीति पर मुहर लगाने का निर्णय लिया और चंड़ीगढ़ नगर निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी को 14 वार्डों में ऐतिहासिक जीत दिला दी। भाजपा के भ्रष्टचार से परेशान जनता ने उसके मेयर तक को हरा दिया। चंडीगढ़ नगर निगम में इस जीत से साफ है कि इस बार पंजाब बदलाव चाहता है।

'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने चंडीगढ़ नगर निगम के चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत पर खुशी व्यक्त की है। 'आप' संयोजक अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट कर कहा, ''चंडीगढ़ नगर निगम में आम आदमी पार्टी की यह जीत पंजाब में आने वाले बदलाव का संकेत है। चंडीगढ़ के लोगों ने आज भ्रष्ट राजनीति को नकारते हुए 'आप' की ईमानदार राजनीति को चुना है।

संक्षिप्त समाचार

मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 809 नए मामले सामने आए

मुंबई । मुंबई में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 809 नए मामले सामने आए और तीन मरीजों की मौत गई। रविवार को जारी आंकड़ों में मुंबई में 922 केस सामने आए थे। मुंबई में महाराष्ट्र के सर्वाधिक केस सामने आ रहे हैं। मुंबई में भी बीएमसी ने नए साल के जश्न, सार्वजनिक स्थानों पर पार्टी, होटल-रेस्तरां, बार, क्लब के साथ ही सोसायटी की इमारतों में भी किसी भी प्रकार के सामूहिक आयोजन पर रोक लगाई है। मुंबई में पिछले 24 घंटे में 335 मरीज कोरोना से उबरे हैं। राजधानी में एक्टिव केस की तादाद 4765 हो गई है। मुंबई में कोरोना के अब तक कुल 7,71921 मरीज मिल चुके हैं। इनमें से 7.48 लाख मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। मुंबई में कोविड से कुल 16373 मरीजों की मौत हुई है। देश की औद्योगिक राजधानी में अब तक 1.34 करोड़ से ज्यादा टेस्ट हो चुके हैं। मुंबई में रिकवरी रेट 97 फीसदी है। जबकि पिछले एक हफ्ते में कोविड केस बढ़ने की रफ्तार 0.07 फीसदी रही है। मुंबई में मरीज 967 दिनों में दोगुना हो रहे हैं। मुंबई समेत महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन वैरिएंट के केस भी तेजी से बढ़ रहे हैं। दिल्ली के बाद महाराष्ट्र में ओमिक्रॉन के सबसे ज्यादा मरीज हैं। इनमें से विदेश से आने वाले कई यात्री शामिल हैं। महाराष्ट्र सरकार ने कोविड प्रोटोकॉल को लेकर फिर सख्ती बरतनी शुरू कर दी है। मुंबई में भी न्यू ईयर को लेकर होने वाले आयोजनों पर सख्ती कर दी गई है। मुंबई में कोरोना को लेकर 29 इमारतें अभी भी सील हैं। जबकि पिछले 24 घंटे मे 2569 अत्यधिक जोखिम वाले लोगों की कांटैक्ट ट्रेसिंग की गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने चुनाव आयोग को सौंपी कोविड-19 की रिपोर्ट

नई दिल्ली । महामारी कोरोना के नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने सोमवार को देश भर में टीकाकरण कवरेज की स्थिति के साथ-साथ बढ़ते कोविड मामलों पर चुनाव आयोग को एक रिपोर्ट सौंपी। मंत्रालय के एक सूत्र के अनुसार, चुनाव आयोग और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने पांच चुनाव वाले राज्यों पर विशेष ध्यान देने के साथ देश भर में नए कोविड वैरिएंट ओमिक्रॉन मामलों की बढ़ती संख्या पर चर्चा की। स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों में ओमिक्रॉन वैरिएंट के फैलने के संबंध में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की है। अगले तीन महीनों में ओमिक्रॉन के प्रसार के बारे में पूछे जाने पर स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने बैठक में कहा कि दैनिक कोविड मामलों के साथ संक्रमण की वर्तमान दर के अनुसार अगले कुछ महीनों में लगभग 25 प्रतिशत का उछाल देखा जा सकता है। सूत्र ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारियों ने उन जिलों के बारे में भी जानकारी दी जहां आर वैल्यू में वृद्धि हुई है। 2022 में पांच राज्यों- उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड, गोवा और पंजाब में विधानसभा चुनाव होने हैं। हालांकि, विधानसभा चुनाव के कार्यक्रम की घोषणा जनवरी के पहले सप्ताह में किए जाने की संभावना है। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) और अन्य अधिकारी मंगलवार को राज्य में चुनावी तैयारियों का जायजा लेने के लिए उत्तर प्रदेश का दौरा करेंगे।

कांग्रेस विधायक ने सिंधिया और माया सिंह से लिया आशीर्वाद, वायरल हुआ वीडियो

भोपाल । मध्य प्रदेश के ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस विधायक सतीश सिकरवार का एक वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें वह केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया का पैर छूकर आशीर्वाद लेते दिखाई दे रहे हैं। कांग्रेस विधायक द्वारा भाजपा नेता सिंधिया के पैर छूने के इस वीडियो ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। रविवार को ग्वालियर पूर्व विधानसभा क्षेत्र के दीनदयाल नगर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शिलान्यास का कार्यक्रम आयोजित किया गया था। कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को बुलाया गया था। स्थानीय विधायक होने के नाते सतीश सिकरवार भी कार्यक्रम में पहुंचे। सतीश सिकरवार ने मंच पर चढ़ने के बाद ज्योतिरादित्य सिंधिया और पूर्व मंत्री माया सिंह के पैर छूकर सबको चौंका दिया। इतना ही नहीं, कार्यक्रम के दौरान वह सिंधिया परिवार का यशोगान भी करते नजर आए। ऐसा करने से कांग्रेस विधायक सिकरवार की पार्टी के प्रति निष्ठा संदिग्ध हो गई है। यह पहला मौका नहीं है जब सिकरवार ने सिंधिया का गुणगान किया हो। बीते कुछ समय से सिंधिया को लेकर उनके विचारों में बदलाव देखा जा रहा है। सिकरवार पहले भाजपा में ही थे। उन्हें सन 2018 के विधानसभा चुनाव में ग्वालियर पूर्व से भाजपा ने टिकट दिया था। उन्होंने भाजपा से इस्तीफा देकर कांग्रेस की सदस्यता ले ली थी। कांग्रेस ने सिकरवार पर भरोसा जताते हुए उन्हें विधानसभा चुनाव का टिकट दिया और वह चुनाव जीत गए। कांग्रेस से चुनाव जीत कर विधायक बने सिकरवार जिस तरह सिंधिया की तारीफ कर रहे हैं, उससे कांग्रेस नेताओं में बेचैनी बढ़ गई है। उनका अनुमान है कि सिकरवार अगले में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

गोवा पहुंचा ओमिक्रोन, 8 वर्षीय बच्चा संक्रमित

पणजी । कोरोना संक्रमण के नए वैरिएंट ओमिक्रोन ने गोवा में अपनी दस्तक दे दी है। गोवा में ओमिक्रोन का पहला मामला मिलने से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।सोमवार को गोवा में ओमिक्रोन का पहला केस मिला है। राज्य के स्वास्थ्य विश्वजीत राणे ने इसकी पुष्टि की है। इसके अलावा राजस्थान में भी तीन नए मामले सामने आए हैं। राणे ने बताया कि 8 वर्षीय बच्चा 17 दिसंबर को यूके से गोवा आया था। बच्चा ओमिक्रोन संक्रमित है। राणे ने बताया कि केंद्र सरकार के प्रोटोकाल के तहत हम कदम उठाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विशेषज्ञ समिति द्वारा दी गई सलाह के आधार पर गोवा सरकार जनहित के लिए कड़े फैसले लेगी। इसके पहले राज्य सरकार ने बताया कि प्रदेश में बीते 24 घंटे में कोरोना के 25 नए मामले सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि साथ ही प्रदेश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 449 हो गई है। उन्होंने बताया कि 24 घंटे में कोरोना के कारण किसी की जान नहीं गई। उधर, देशभर में ओमिक्रोन के कुल मामले बढ़कर 582 हो गए हैं। सोमवार को गोवा के अलावा राजस्थान में भी ओमिक्रोन के संक्रमित मिले हैं। राजस्थान में ओमिक्रोन के तीन नए मामले सामने आए हैं।

सार समाचार

अमेरिका में तेजी से बढ़ रहा ओमीक्रोन का खतरा, सबसे ज्यादा बच्चे हो रहे संक्रमित

न्यूयॉर्क। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ओमीक्रोन ने 100 से ज्यादा देशों में अपने पैर पसार लिए है। अमेरिका में भी ओमीक्रोन तेजी से बढ़ रहा है। एक रिसर्च के मुताबिक कुछ देशों में ओमीक्रोन की वजह से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण है कि कई देशों में बच्चों के हॉस्पिटलाइजेशन की दरों में बढ़ोतरी देखी गई है। न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ के एक बयान के मुताबिक कोविड-19 से जुड़े अस्पतालों में बच्चे काफी संख्या में भर्ती हो रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर में भी यह आंकड़ा लगातार बढ़ गया है। अमेरिका के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों में भी कोरोना वायरस के खतरे में एकाएक बढ़ोतरी देखी गई है। अमेरिका में जहां औसतन 1 दिन में लगभग 190000 नए मामले आ रहे हैं तो वही ब्रिटेन में भी यह आंकड़ा 100000 के पार है। अमेरिका के टेक्सास में बच्चे उम्र 1 रन से बहुत ज्यादा संक्रमित हो रहे हैं। अस्पतालों में 18 साल से कम उम्र के लोगों की भर्ती ज्यादा हो रही है। इन सब के बीच अमेरिका में साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान, छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने शनिवार को भी सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया है। उड़ानों की गतिविधि की निगरानी करने वाली वेबसाइट, फ्लाइटअवेयर, ने बताया कि शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। फ्लाइटअवेयर ने उड़ानों के रद्द होने का कारण स्पष्ट नहीं किया। डेल्टा, यूनाइटेड और जेटब्लू सभी ने कहा था कि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं। यूनाइटेड की प्रवक्ता मैडी किंग ने कहा कि स्टाफ की कमी अभी उड़ानें रद्द होने का कारण बन रही है और यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य परिचालन फिर से कब शुरू हो पाएगा।

आत्मघाती धमाके के बाद कांगो अधिकारियों को और हमलों का डर, लगाया गया कर्फ्यू

बेनी (कांगो)। पूर्वी कांगो में प्राधिकारियों ने क्षेत्र में अपनी तरह के पहले आत्मघाती धमाके के बाद और हिंसा की आशंका के मद्देनजर शाम को कर्फ्यू लगाने तथा नयी सुरक्षा जांच चौकियां बनाने की घोषणा की है। इस आत्मघाती धमाके में पांच लोगों की मौत हो गयी थी। बेनी के मेयर नारसिसे मुतेबा ने शहर के होटलों, गिरजाघरों और बार को आगाह किया कि उन्हें मेटल डिटेक्टर्स के साथ सुरक्षा कर्मियों की तैनाती करने की आवश्यकता है क्योंकि 'आतंकवादी' फिर से हमला कर सकते हैं। मुतेबा ने रविवार को कहा, 'हम लोगों से सतर्क रहने और उत्सवों के दौरान सार्वजनिक स्थानों से दूर रहने के लिए कह रहे हैं।' उत्तरी कीवु प्रांत के सैन्य गवर्नर ब्रिगेडियर जनरल सी. नीमा ने बताया कि शाम सात बजे से कर्फ्यू होगा तथा सड़कों पर और जांच चौकियां बनायी जाएंगी। अधिकारियों ने शुरुआत में बताया था कि आत्मघाती हमलावर समेत छह लोग मारे गए हैं लेकिन बाद में उन्होंने मृतकों की संख्या पांच कर दी। क्रिसमस पर इनबॉक्स रेस्त्रां के प्रवेश द्वार पर धमाके के बाद 13 अन्य लोग अस्पताल में भर्ती हैं। शनिवार को हुए इस खून-खराबे ने यह डर पैदा कर दिया है कि बेनी में इस्लामिक चरमपंथ ने पैर पसार लिए हैं। यह शहर एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज के विद्रोहियों के हमलों से वर्षों तक पीड़ित रहा है जिनकी जड़े पड़ोसी देश युगांडा में हैं। अधिकारियों ने इन हमलों के लिए उन विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है।

ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में 'ओमीक्रोन' स्वरूप से मौत का पहला मामला आया सामने

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स शहर में कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीकोन' से पहली मौत की पुष्टि हुई है और कोविड-19 के छह हजार से अधिक नए मामले सामने आए। पश्चिमी सिडनी में 'ओमीक्रोन' से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गई है। उनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका था, लेकिन उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कुछ गंभीर परेशानियां थीं। वहीं, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश के सबसे अधिक आबादी वाले न्यू साउथ वेल्स में सोमवार को कोविड-19 के 6,324 नए मामले सामने आए। वहां, 524 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और 55 लोग गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सोमवार को न्यू साउथ वेल्स में कुछ नए नियम भी लागू किए गए। स्वास्थ्य मंत्री ब्रैड हैजर्ड ने बताया कि राज्य सरकार कर्मचारियों की कमी के कारण संक्रमितों के सम्पर्क में आए स्वास्थ्य कर्मियों के लिए पृथक रहने की अनिवार्यता खत्म करने पर विचार कर रही है। इस बीच, विक्टोरिया में सोमवार को कोविड-19 के 1,999 नए मामले सामने आए और संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत हुई।

ओमिक्रॉन से ऑस्ट्रेलिया में पहली मौत, कोविड-19 के 6,324 नए मामले समाने आए

सिडनी (ऑस्ट्रेलिया)। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स शहर में कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीकोन' से पहली मौत की पुष्टि हुई है और कोविड-19 के छह हजार से अधिक नए मामले सामने आए। पश्चिमी सिडनी में 'ओमीक्रोन' से संक्रमित एक व्यक्ति की मौत हो गई है। उनका पूर्ण टीकाकरण हो चुका था, लेकिन उन्हें स्वास्थ्य संबंधी कुछ गंभीर परेशानियां थीं। वहीं, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, देश के सबसे अधिक आबादी वाले न्यू साउथ वेल्स में सोमवार को कोविड-19 के 6,324 नए मामले समाने आए। वहां, 524 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और 55 गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के मद्देनजर सोमवार को न्यू साउथ वेल्स में कुछ नए नियम भी लागू किए गए। स्वास्थ्य मंत्री ब्रैड हैजर्ड ने बताया कि राज्य सरकार कर्मचारियों की कमी के कारण संक्रमितों के सम्पर्क में आए स्वास्थ्य कर्मियों के लिए पृथक रहने की अनिवार्यता खत्म करने पर विचार कर रही है। इस बीच, विक्टोरिया में सोमवार को कोविड-19 के 1,999 नए मामले सामने आए और संक्रमण से तीन और मरीजों की मौत हुई।

श्रीलंकाईयों से बिना एनओसी शादी नहीं कर सकेंगे विदेशी

-इस फैसले की विपक्ष और कई सिविल ग्रुप कर रहे हैं आलोचना

कोलंबो। अगर किसी को श्रीलंका के नागरिक से शादी करनी है तो उसे पहले यहां के रक्षा मंत्रालय से नो ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट यानी एनओसी लेनी होगी। सुरक्षा कारणों से श्रीलंका ने यह अनिवार्य किया है। श्रीलंका के इस फैसले की विपक्ष और कई सिविल ग्रुप्स आलोचना कर रहे हैं। नया कानून 1 जनवरी, से प्रभावी होगा। रजिस्ट्रार जनरल वीरासेकेरा ने जारी किए सर्कुलर में कहा था कि यह फैसला सुरक्षा कारणों से लिया गया है।

सर्कुलर के मुताबिक, संबंधित अधिकारियों ने विदेशियों संग श्रीलंकाई नागरिकों की शादी के कारण उपजने वाले सुरक्षा खतरों को लेकर चर्चा की। इसके बाद यह फैसला लिया गया कि इस तरह की शादी का पंजीकरण विदेशी नागरिक द्वारा सिक्योरिटी क्लियरेंस लेने के बाद एडिशनल डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार के जरिए कराया जा सकेगा। वहीं, विपक्षी नेता इस कदम की आलोचना कर रहे हैं। श्रीलंका के सांसद हर्षा डि सिल्वा ने फैसले पर सवाल खड़े करते हुए कहा, 'यह किस तरह का भेदभाव है।' सर्कुलर के मुताबिक, सिक्योरिटी क्लियरेंस यह प्रमाणित करेगा कि विदेशी पक्ष पिछले छह महीनों के दौरान किसी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया था। सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला स्थानीय नागरिकों को शादी के नाम पर विदेशियों की ठगी से बचाने के साथ ही शादी के बहाने देश में ड्रग तस्करी में हुई बढ़ोतरी पर नजर रखने के लिए महत्वपूर्ण है।

ब्राजील में आई बाढ़ के बाद ड्रोन के जरिये ली गयी तस्वीर में कैकोरिया नदी से बहता हुआ पानी नजर आया।

ओमीक्रोन ने अमेरिका समेत दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में दी दस्तक

वाशिंगटन (एजेंसी)

(ईएमएस)। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ओमीक्रोन ने 100 से ज्यादा देशों में अपने पैर पसार लिए है। अमेरिका में भी ओमीक्रोन तेजी से बढ़ रहा है। एक रिसर्च के मुताबिक कुछ देशों में ओमीक्रोन की वजह से सबसे ज्यादा बच्चे प्रभावित हो रहे हैं। यही कारण है कि कई देशों में बच्चों के हॉस्पिटलाइजेशन की दरों में बढ़ोतरी देखी गई है।

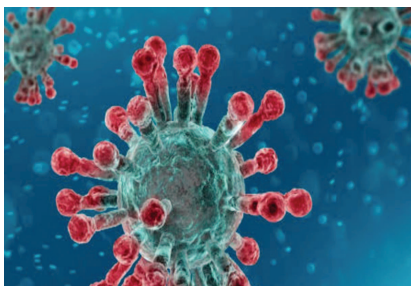

न्यूयॉर्क स्टेट डिपार्टमेंट ऑफ हेल्थ के एक बयान के मुताबिक कोविड-19 से जुड़े अस्पतालों में बच्चे काफी संख्या में भर्ती हो रहे हैं। न्यूयॉर्क शहर में भी यह आंकड़ा लगातार बढ़ गया है। अमेरिका के साथ-साथ कई यूरोपीय देशों में भी कोरोना वायरस के खतरे में एकाएक बढ़ोतरी देखी गई है। अमेरिका में जहां औसतन 1 दिन में लगभग 190000 नए मामले आ रहे हैं तो वही ब्रिटेन में भी यह आंकड़ा 100000 के पार है।

अमेरिका के टेक्सास में बच्चे बहुत ज्यादा संक्रमित हो रहे हैं। अस्पतालों में 18 साल से कम उम्र के लोगों की भर्ती ज्यादा हो रही है। इन सब के बीच अमेरिका में साल के सबसे व्यस्ततम यात्रा समय के दौरान, छुट्टियों के मौसम का मजा किरकिरा करते हुए विमानन कंपनियों ने शनिवार को भी सैकड़ों उड़ानों को रद्द कर दिया है। शुक्रवार को रद्द की गई 690 उड़ानों की तुलना में शनिवार को अमेरिका में प्रवेश करने, यहां से उड़ान भरने वाली या अंदर जाने वाली लगभग 1,000 उड़ानें रद्द की गई। रविवार के लिए 250 से अधिक उड़ानें पहले ही रद्द की जा चुकी हैं। विमानन कंपनियों ने बताया कि ओमीक्रोन स्वरूप के कारण कर्मचारियों की समस्या हो रही है जिसके कारण उड़ानें रद्द हो रही हैं। यूनाइटेड की प्रवक्ता मैडी किंग ने कहा स्टाफ की कमी अभी उड़ानें रद्द होने का कारण बन रही है और यह स्पष्ट नहीं है कि सामान्य परिचालन फिर से कब शुरू हो पाएगा।

शेख राशिद ने कहा, भ्रष्टाचार से निपटने में विफल रही इमरान सरकार

इस्लामाबाद (एजेंसी)

इमरान सरकार के बड़बोले मंत्री शेख राशिद फिर से प्रधानमंत्री इमरान के लिए ही परेशानी का कारण बन गए हैं। दरअसल, राशिद ने एक ऐसा बयान दिया है,जिससे इमरान की मुश्किलों को बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा है कि सरकार भ्रष्टाचार से निपटने में विफल रही है। उनका ये बयान उस समय में आया है, जब देश की लगभग सभी विपक्षी पार्टियां इमरान के खिलाफ एकजुट होकर लगातार उनपर हमलावर हो रही है।

इन विपक्षी पार्टियों का आरोप है कि इमरान सरकार की गलत नीतियों की बदौलत देश में भ्रष्टाचार चरम पर पहुंचा है। देश में महंगाई बेतहाशा बढ़ी है,और लाखों लोग भुखमरी के शिकार हो चुके हैं। विपक्ष इस बात का भी आरोप लगा रहा है कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने में सरकार नाकाम रही है। साथ ही इमरान सरकार के आने के बाद देश का मान-सम्मान विश्व स्तर पर काफी गिर गया है। बता दें कि शेख राशिद पहले भी कई बार इस तरह के बयान दे चुके हैं जिससे इमरान सरकार की मुश्किलें बढ़ी हैं।शेख राशिद का कहना है कि इमरान ने वादा किया था कि उनकी सरकार में भ्रष्टाचारियों पर लगाम लगेगी और उन्हें कानून के दायरे में लाया जाएगा, लेकिन, वहां अपने इस वादे को निभाने में नाकाम रहे हैं। ये बयान उन्होंने कराची में हुई एक प्रेसवार्ता के दौरान दिया है। उन्होंने यहां तक कहा कि देश में भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों की जड़ें काफी गहरी हैं। सरकार का उनपर कोई दबाव नहीं है।

पहली बार तालिबान के फैसले की खुलकर आलोचना कर रहा है पाकिस्तान, इस मसले पर जताया ऐतराज

इस्लामाबाद (एजेंसी)

पाकिस्तान के सूचना मंत्री फवाद चौधरी ने सोमवार को अफगानिस्तान में सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के अकेले यात्रा करने पर प्रतिबंध लगाने को लेकर तालिबान के फैसले की आलोचना की है। दरअसल, तालिबान सरकार ने रविवार को कहा कि लंबी दूरी की यात्रा करने वाली महिलाओं को तब तक यात्रा की पेशकस नहीं की जाए जब तक कि उनके साथ कोई करीबी पुरुष रिश्तेदार न हो। चौधरी ने कहा कि महिलाएं अकेले यात्रा नहीं कर सकती हैं, या स्कूल और कॉलेज अकेल नहीं जा सकती हैं, इस तरह की पतनशील सोच पाकिस्तान के लिए खतरा है। 15 अगस्त से अफगानिस्तान पर तालिबान का कब्जा है। कट्टरपंथी आतंकवादी समूह ने वहां की सरकार को बेदखल कर सत्ता पर कब्जा जमा लिया है। राष्ट्रपति अशरफ गनी की सरकार और उन्हें देश से भागने और संयुक्त अरब अमीरात में शरण लेने के लिए मजबूर किया। तालिबान के कब्जे के बाद अफगानिस्तान में लड़कियों को कई प्रकार की पाबंदियों का सामना करना पड़ रहा है। चौधरी ने कहा कि पाकिस्तान को प्रगतिशीलता का अपना रास्ता बनाना चाहिए। उन्होंने मोहम्मद अली जिन्ना को श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि उन्होंने अल्पसंख्यकों के अधिकारों की रक्षा और उनकी सुरक्षा के लिए पाकिस्तान बनाया। फवाद चौधरी ने यह भी कहा कि जिन्ना कभी नहीं चाहते थे कि पाकिस्तान एक धार्मिक राज्य बने और उनकी पूरी जीवनशैली उन लोगों से मैच नहीं खाती है जो आज भी पाकिस्तान को एक पिछड़ा देश बनाने के लिए उनके नाम का इस्तेमाल करते हैं। चौधरी ने कहा कि वर्तमान पाकिस्तान जिन्ना और कवि अल्लामा मुहम्मद इकबाल की सोच से अलग है क्योंकि यह प्रतिगामी सोच का एक प्रोडक्ट था जो बाद में सामने आया और पाकिस्तान के पतन का कारण बना। यह लड़ाई (प्रतिगामी सोच के खिलाफ) पाकिस्तान के अस्तित्व के लिए बहुत महत्वपूर्ण है और इसे जीतकर ही हम या कोई अन्य देश आगे बढ़ सकता है।

सीरिया से छीने इलाके में आबादी का गणित बदलेगा इजरायल, यहूदियों को बसाने के लिए दिया भारी बजट

तेल अवीव (एजेंसी)

इजरायल की सरकार ने रविवार को गोलन हाइट्स यानी गोलन पहाड़ियों पर यहूदी निवासियों की आबादी दोगुना करने की योजना के तहत 317 मिलियन डॉलर यानी करीब 31.7 करोड़ डॉलर की राशि को मंजूरी दे दी। चालीस साल पहले इजरायल ने भीषण युद्ध के बाद गोलन हाइट्स को सीरिया से छीनकर अपने कब्जे में किया था। आज भी दोनों देशों के बीच इस इलाके को लेकर विवाद है।

इजरायली प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट की कैबिनेट ने अगले पांच सालों के अंदर इस क्षेत्र में 7300 घर बनाने की योजना के पक्ष में मतदान किया। यह फैसला गोलन के मेवो हामा कम्युनिटी में हुई बैठक के दौरान लिया गया। बैठक के दौरान इस क्षेत्र में करीब 23 हजार नए यहूदियों को बसने के लिए आकर्षित करने के इरादे से आवास, बुनियादी ढांचे और अन्य परियोजनाओं पर करीब 1 अरब इजरायली शेकेल खर्च करने का आह्वान किया गया। इजरायल ने इस इलाके को 1967 में छह दिनों तक चले युद्ध के बाद हासिल किया था।

दक्षिणपंथी नेता बेनेट ने मीटिंग से पहले कहा, 'हमारा लक्ष्य गोलन हाइट्स की आबादी को दोगुना करना है।' बेनेट ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की तरफ से इजरायली संप्रभुता को मान्यता देने और बाइडेन प्रशासन की ओर से इस फैसले को वापस न लेने के संकेत से गोलन क्षेत्र में नए निवेश को बढ़ावा मिला है।

इजरायल ने सन् 1967 में मध्यपूर्व युद्ध के दौरान गोलन हाइट्स पर कब्जा किया था। इसके बाद से यहां यहूदियों को बसाना, कृषि और टूरिजम को बढ़ावा दिए जाने की कोशिश जारी है। अमेरिका पहला देश है जिसने गोलन को इजरायल के हिस्से के रूप में मान्यता दी, जबकि पूरी दुनिया अभी भी इसे इजरायल अधिकृत क्षेत्र कहती है।

गोलन हाइट्स की चोटी से दक्षिणी सीरिया और सीरिया की राजधानी दमिश्क साफ नजर आते हैं। ये दोनों इलाके यहां से करीब 60 किलोमीटर ही दूर है। गोलन हाइट्स से इसराइल को ये फायदा मिलता है कि वो यहां से सीरिया की गतिविधियों पर बराबर नजर रख सकता है।गोलन में होने वाली बारिश का पानी जॉर्डन की नदी में जाकर मिल जाता है। ये इसराइल की एक तिहाई पानी की जरूरत पूरा करता है। गोलान की जमीन उपजाऊ है, जहां अंगूर और मेवों के बगीचे लगाए जाते हैं. गोलान इसराइल का इकलौता स्की रिजॉर्ट भी है।

इजरायल के मुस्लिम शासकों के गलत आचरण के कारण ही फैला ओमिक्रॉन

लंदन। फिलिस्तीन के इस्लामिक इमाम शेख इस्साम अमीरा ने कोरोना के नए वैरिएंट ओमिक्रॉन को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि इजरायल के मुस्लिम शासकों के गलत आचरण के कारण ही कोरोना अलग-अलग रूपों में फैल रहा है।यरुशलम के अल-अक्सा मस्जिद में संबोधन के दौरान उन्होंने कहा कि शासक समलैंगिकता की अनुमति देते हैं,वहीं नारीवादी संगठनों का पालन करते हैं, इसलिए कोरोना अपने 'भारतीय संस्करण' और ओमिक्रॉन रूप में पूरी दुनिया में फैल गया है।अमीरा ने भारत में सबसे पहले डिटेक्ट हुए कोविड वैरिएंट डेल्टा को भारतीय वैरिएंट कहकर संबोधित किया है। वीडियो में साफ दिख रहा हैं, अमीरा लोगों के बीच खड़े होकर मुस्लिम शासकों और मीडिया पर निशाना साध रहे हैं।वहां मीडिया को काफिर बताकर लोगों से कह रहे हैं कि जिन शासकों के कारण ये विपत्ति आई है, उनके खिलाफ सभी मुसलमानों को एकजुट होना चाहिए।

अमीरा कह रहे हैं, यह घृणा क्यों फैली है? कोरोना ,अपने भारतीय संस्करण और ओमिक्रॉन वैरिएंट के साथ क्यों फैल गया है? ये कौन से नाम हैं, ये रोग, जो हमारे पूर्वजों को नहीं पता थे? इसका कारण साफ है। अनैतिकता लोगों के बीच इस हद तक कभी नहीं फैली कि वहां सभी को बताते चलें।फिर ये सभी बातें किसने फैलाई? आम लोग ने? नहीं, ये काफिर और लाइसेंसी मीडिया का काम है, जो ये बातें सभी को बताता है। उन्होंने मुस्लिम शासकों पर निशाना साधकर कहा, ये हमारे उन शासकों के कारण फैला है, जो समलैंगिकता को अनुमति देकर बढ़ावा देते हैं। ये हमारे उन शासकों के कारण फैला है जो नारीवादी संगठनों, सीईडीएडब्ल्यू (महिलाओं के खिलाफ भेदभाव के उन्मूलन पर समिति का पालन करते हैं और लैंगिक मुद्दों पर बात करते हैं...ये सभी बीमारियों के प्रसार के अग्रदूत हैं, जो हमारे पूर्वजों के बीच मौजूद नहीं था। फिलिस्तीनी इमाम का कहना है कि मुस्लिम शासकों के कारण ही कोरोना जैसी आपदा आई है,इसकारण सभी मुसलमानों को इनके खिलाफ एकजुट होना चाहिए।उन्होंने कहा, 'क्रूर शासकों के खिलाफ व्यक्तिगत और सामूहिक रूप से सभी मुसलमानों के प्रयासों को एकजुट करना आवश्यक है. यही शासक हम पर ये आपदा लेकर आए हैं। शेख इस्साम अमीरा का वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया जा रहा है और लोग उनकी आलोचना कर रहे हैं।अमेरिकी लेखक रॉबर्ट स्पेंसर ने भी ट्वीट किया है। अल-अक्सा मस्जिद में मुस्लिम विद्वान ने कहा, अल्लाह ने इजरायल और समलैंगिकता की वजह से ओमिक्रॉन वैरिएंट को भेजा है।

अब देश के बाहर भी हथियार बनाएंगी भारतीय कंपनियां, रूस के साथ हो सकता है करार

नई दिल्ली (एजेंसी)

भारत और रूस के बीच इसी महीने की शुरूआत में हुए 2+2 डायलॉग में देश से बाहर हथियारों के निर्माण को लेकर सहमति बनी है। इसे लेकर कोई करार नहीं हुआ है, लेकिन दोनों देशों के बीच नॉन-पेपर एक्सचेंज हुआ है। इसके तहत सेंट्रल एशिया के देशों कजाखस्तान, किर्गिस्तान, ताजिकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और उज्बेकिस्तान में हथियारों के उत्पादन का प्रस्ताव है। यह उत्पादन इन देशों में स्थित सोवियत काल की फैक्ट्रियों में ही किया जाएगा। इकनॉमिक टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के बीच इसे लेकर सहमति बनी है और आने वाले दिनों में इस प्रस्ताव पर आगे बढ़ सकते हैं। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी सेंट्रल एशिया के देशों को भारत के विस्तृत पड़ोसियों को दर्जा देते रहे हैं। हाल ही में इन देशों के विदेश मंत्रियों की मीटिंग भी दिल्ली में बुलाई गई थी।

इस बैठक में अफगानिस्तान को लेकर चर्चा हुई थी, जिसे लेकर कहा जा रहा है कि भारत एक बार फिर से अपनी पैठ पड़ोसी मुल्क में मजबूत करने की स्थिति में आ गया है। अब यदि सेंट्रल एशिया के देशों में भारत हथियारों के उत्पादन का काम करता है तो यह बड़ी सफलता होगी। इसकी वजह यह है कि भारत लंबे समय से हथियारों के आयातकर्ता की बजाय एक्सपोर्टर बनना चाहता है, इस लिहाज से सेंट्रल एशिया के देशों में हथियार उत्पादन बड़ी सफलता होगी। सेंट्रल एशिया के ज्यादातर देशों में रूस के ही हथियारों का इस्तेमाल होता है। अब यहां की सोवियत काल की फैक्ट्रियों में भारत के साथ मिलकर रूस हथियारों का उत्पादन करेगा। कहा जा रहा है कि यहां बने हथियारों को सेंट्रल एशिया के देशों को दिया जाएगा। इसके अलावा भारत की जरूरतें भी पूरी हो सकेंगी। दशकों से भारतीय सेना में भी रूस के बने कई हथियारों, मिलिट्री वाहनों और अन्य उपकरणों का इस्तेमाल किया जाता रहा है। हथियारों के निर्यातक देश बनने की दिशा में भारत के लिए यह अहम कदम होगा। इसके साथ ही भारत को सेंट्रल एशिया के मुस्लिम बहुल देशों में अपनी पैठ मजबूत करने में मदद मिलेगी। इससे अफगानिस्तान में भी भारत मजबूत स्थिति में आ सकेगा। रूस के जरिए अफगानिस्तान में भारत की एंट्री पाकिस्तान को भी चिढ़ाने वाली होगी।

जनसंख्या घटने से चिंतित चीन बच्चे पैदा करने वालों को देगा कर्ज

-जिलिन प्रांत में छोटे व्यापारियों को टैक्स में राहत देने की तैयारी

बीजिंग। आबादी और क्षेत्रफल के हिसाब से चीन दुनिया के सबसे बड़े देशों में भले ही शुमार हो पर अब यहां के कई राज्यों ने घटती जनसंख्या के मद्देनजर लोगों को बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते योजनाएं शुरू की हैं। जिलिन में बैंक उन लोगों को कर्ज देंगे जो बच्चे पैदा करेंगे। उत्तर पूर्वी चीन के जिलिन प्रांत में शादीशुदा जोड़े अगर बच्चे पैदा करते हैं तो उन्हें दो लाख युआन का बैंक लोन मिल सकता है। देश की कम होती आबादी की समस्या से निपटने के लिए चीन के कई राज्यों ने ऐसी ही योजनाएं शुरू की हैं जिनमें बच्चे पैदा करने के लिए लोगों को वित्तीय लाभ दिए जा रहे हैं। जिलिन प्रांत ने जो योजना शुरू की है उनमें ऐसे छोटे व्यापारियों को टैक्स में राहत दी जाने की भी बात है जिनके दो या तीन बच्चे हैं। पिछले हफ्ते जारी एक बयान में जिलिन प्रांत की सरकार ने इस योजना का ऐलान किया। पूरे देश में फिक्र चीन के तीन राज्यों जिलिन, लायोनिंग और हाइलॉन्गजियांग में जनसंख्या की समस्या विशेषतौर पर गंभीर है। यहां के लोग बड़ी संख्या में काम करने के लिए अन्य राज्यों में चले जाते हैं या फिर युवा लोग शादी अथवा बच्चे पैदा करना टाल रहे हैं। 2010 के मुकाबले 2020 में इस क्षेत्र की आबादी में 10.3 प्रतिशत की गिरावट आई है। जिलिन में तो आबादी 12.7 फीसदी घट गई। इसी साल मई में चीन ने अपनी जनसंख्या नीति में बड़ा बदलाव करते हुए कहा था कि लोगों को दो के बजाय तीन बच्चे पैदा करने की अनुमति होगी। इससे पहले देश में एक बच्चा पैदा करने की नीति सख्ती से लागू थी। इस नीति की शुरूआत 1979 में की गई थी।

सुविचार तीन चीजों को लम्बी अवधि तक छुपाया नहीं जा सकता, सूर्य, चन्द्रमा और सत्य। - गौतम बुद्ध

संपादकीय

अंतरिक्ष की सैर

अंतरिक्ष में भी एक छोटी सी दुनिया बसने लगी है। धरती से करीब 400 किलोमीटर ऊपर इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में रहने वाले अंतरिक्ष यात्रियों की दिनचर्या के बारे में लोग बहुत कुछ जानने लगे हैं। पृथ्वी की परिक्रमा करते अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष केंद्र के सूक्ष्म गुरुत्वाकर्षण में जीवन अब धीरे-धीरे सहज होने लगा है। अब अंतरिक्ष स्टेशन पर केश कटाई का वीडियो भी वायरल हो गया है। अंतरिक्ष यात्री मैथियास मौरर ने केश कटवाया है और उनके नाई बने हैं भारतीय मूल के अंतरिक्ष यात्री राजा चारी। वैसे तो पहले भी अंतरिक्ष में ज्यादा दिन तक रहे यात्रियों ने केश काटे या कटवाए हैं, लेकिन पहली बार इसका वीडियो अंतरिक्ष यात्री मैथियास मौरर ने ही जारी किया है। अंतरिक्ष में केश कटाई के लिए विशेष हेयर ट्रिमर या केश काटने वाली मशीन का इस्तेमाल किया जाता है। इस मशीन के साथ वैक्यूम क्लीनर भी जुड़ा हुआ है, ताकि कटे हुए केश हवा में न फैलें। चूंकि अंतरिक्ष स्टेशन पर चीज लटक सकती है या लटकी रहती है, अत- केश के कतरे को भी छोड़ दिया जाए, तो वह लटक जाएगा और यह भी हो सकता है कि आंखों में घुस जाए या किसी मशीन में जा फंसे। अत- केश काटते हुए वैक्यूम क्लीनर का रहना जरूरी है, ताकि एक-एक कटे हुए केश को इकट्ठा किया जा सके। सबसे बड़ी बात है कि अंतरिक्ष केंद्र पर अब यात्री यथासंभव आनंद भी करने लगे हैं और उन पलों को साझा भी करने लगे हैं। सितंबर महीने में एक अंतरिक्ष यात्री मेगन मैक्आर्थर का वीडियो वायरल हुआ था, जब उन्होंने एक वीडियो शेयर करके बताया था कि अंतरिक्ष में कैसे शैंपू करते हैं। शैंपू करते हुए कैसे एक-एक बूंद पानी को बचाना होता है। यह भी ध्यान रखना पड़ता है कि पानी की बूंद हवा में न लटक जाए। केश धोने से गंदे हुए पानी को फिर कैसे साफ कर उपयोग में लाया जाता है। वैसे तो यात्रियों को अंतरिक्ष केंद्र पर रहते वर्षों बीत गए हैं, लेकिन साल 2021 एक ऐसा वर्ष है, जब आम लोग भी अंतरिक्ष यात्रियों के जीवन से ज्यादा परिचित हुए हैं। यह यदि किसी योजना के तहत होने दिया जा रहा है, तो भी इसकी तारीफ होनी चाहिए। अंतरिक्ष का भय जैसे-जैसे कम होगा, दुनिया का लगाव अंतरिक्ष विज्ञान से वैसे-वैसे बढ़ता जाएगा। क्या अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन एक पर्यटन केंद्र के रूप में चर्चित होने लगा है? इस सवाल का जवाब हां में है। विशेष रूप से इस वर्ष अरबपति और जापान के पहले अंतरिक्ष पर्यटक युसाकु मेजावा के सफल अंतरिक्ष दौरे से काफी फर्क पड़ा है। वह 8 दिसंबर को अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा पर गए थे और वहां 12 दिन रहने के बाद 20 दिसंबर को कजाकिस्तान में उतरे। उनके सहायक योजो हिरानो और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर मिसुरकिन भी उनके साथ आनंद मनाकर लौटे हैं। जापानी व्यवसायी मेजावा को अंतरिक्ष स्टेशन के पहले मेहमान के रूप में याद किया जाएगा। अंतरिक्ष स्टेशन पर 12 दिन रहते हुए मेजावा अपनी अनेक गतिविधियों के वीडियो शेयर करते रहे हैं, जिन्हें दुनिया में खूब देखा गया है। मेजावा के लिए यह अभ्यास है, वह साल 2023 में चांद की सैर पर जाने वाले हैं। वह साथ ले जाने के लिए आठ सह-यात्रियों की तलाश कर रहे हैं। मतलब, अंतरिक्ष का रोमांच आने वाले दिनों में और बढ़ने वाला है।

आज के कार्टून

पानी की महत्ता

जग्गी वासुदेव

भारत में लगभग 16 करोड़ हेक्टेयर खेती के लायक जमीन है। लेकिन इसकी लगभग 60 फीसद मिट्टी संकटग्रस्त, बीमार या खराब हो गई है, और होती जा रही है। इसका अर्थ यह है कि अगले 25 से 30 सालों के बाद हम अपने राष्ट्र के लिए आवश्यक अन्न नहीं उगा सकेंगे। देश में बड़े स्तर पर कारोबार विकास एवं इंजीनियरिंग के कमाल हुए हैं। इन सब के बीच, सबसे अधिक आश्चर्यजनक, अतुल्य बात जो हुई है, वह है कि हमारे किसान बिना किसी तकनीक के, बस सिर्फ अपनी पारंपरिक जानकारी के बल पर, 100 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को खिला रहे हैं। देश के लिए यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। हमारे किसान बिना किसी तकनीक के, बस सिर्फ अपनी पारंपरिक जानकारी के बल पर, 100 करोड़ से भी ज्यादा लोगों को खिला रहे हैं। लेकिन दुर्भाग्यवश हमने अपने किसानों को इतना लाचार बना दिया है कि वे नहीं चाहते कि उनके बच्चे खेती के काम में लगें। तो एक तरफ मिट्टी की गुणवत्ता खराब हो रही है, और दूसरी तरफ किसानों की अगली पीढ़ी खेती में नहीं लग रही। इसका अर्थ यह है कि हम निश्चित रूप से अगले 25 वर्षो में एक बड़े खाद्यान्न संकट का सामना करने वाले हैं। जब पानी और भोजन नहीं मिलेगा तो एक विशाल संकट खड़ा हो जाएगा जो देश को कई प्रकार से नष्ट कर देगा। उन ग्रामीण क्षेत्रों से, जहां पानी बिल्कुल समाप्त होने जा रहा है, लोग बड़ी संख्या में शहरी इलाकों में आ जाएंगे। फिर किसी भी व्यवस्था, संरचना के अभाव में, वे गलियों में, रास्तों पर बैठ जाएंगे। लेकिन कब तक? जब उन्हें खाना और पानी नहीं मिलेगा तो वे लोगों के घरों में घुसेंगे। यदि हम कोई प्रभावी काम अभी से शुरू नहीं करते तो अगले 8-10 वर्षो में ही आप ऐसी परिस्थितियां देखेंगे। हमारे इस ऊष्ण कटिबंधीय देश में, हमारे लिए पानी का एक ही स्रोत है, और वह है मानसूनी वर्षा। हमारे यहां मानसून 45-60 दिन तक रहता है, और साठ दिनों में आया हुआ बारिश का पानी हमें 365 दिनों के लिए रखना होता है, जिससे नदियों में, झीलों में और जलकूपों में पानी बना रहे। और हरियाली एवं पर्याप्त वृक्षों के बिना हम यह काम किसी भी तरह से नहीं कर सकते। मिट्टी में पानी तब ही रहेगा जब मिट्टी में बहुत सारे अच्छे, समृद्ध जैविक तत्व उपस्थित हों। पेड़ों के पत्ते और पशुओं का मल इस जैविक तत्व का स्रोत है।

गहलोत के जादू की झप्पी में है कांग्रेस आलाकमान

- रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने अपनी जादूगरी से कांग्रेस आलाकमान को खुश कर दिया है। राजस्थान की राजनीति में उनके विरोधी माने जाने वाले सचिन पायलट एवं उनके समर्थकों को गहलोत किनारे लगाने में सफल रहे हैं। राजनीति में आने से पहले अशोक गहलोत जादूगरी के पेशे से जुड़े हुए थे। उनके पिता लक्ष्मण सिंह गहलोत अपने जमाने के जाने-माने जादूगर थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भी जादू की कला विरासत में मिली थी। हालांकि अशोक गहलोत जादूगरी के क्षेत्र में तो नहीं गए मगर समय-समय पर अपनी जादूगरी दिखाकर राजनीति के क्षेत्र में वे लगातार ऊंची सीढ़ियां चढ़ते चले गए। तीसरी बार राजस्थान के मुख्यमंत्री पद पर काम कर रहे अशोक गहलोत छात्र जीवन से ही कांग्रेस से जुड़ गए थे। उस समय कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे हरिदेव जोशी, परसराम मदेरणा के सानिध्य में उन्होंने राजनीति के क्षेत्र में ऊंची छलांग लगाई। वर्ष 1980 में पहली बार जोधपुर से कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव जीत कर इंदिरा गांधी मंत्रिमंडल में उप मंत्री बने। फिर राजीव गांधी एवं नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में भी राज्य मंत्री रहे। तीन बार प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव, कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष रह चुके अशोक गहलोत जैसे-जैसे राजनीति की ऊंची सीढ़ियां चढ़ते गए, एक-एक कर अपने विरोधी नेताओं का सफाया करते गये। 1998 में वरिष्ठ नेता परसराम मदेरणा को मात देकर पहली बार मुख्यमंत्री बने अशोक गहलोत ने उसी कार्यकाल में परसराम मदेरणा, शिवचरण माथुर, पंडित नवल किशोर शर्मा, हीरालाल देवपुरा, नाथूराम मिर्धा, रामनिवास मिर्धा, जगन्नाथ पहाड़िया, कमला, बनवारी लाल बैरवा, रामनारायण चौधरी जैसे बड़े नेताओं को एक-एक कर किनारे लगा दिया। उसके बाद वे राजस्थान कांग्रेस को अपने इर्द-गिर्द घुमाने लगे। 2008 के विधानसभा चुनाव में भी राजस्थान में कांग्रेस को बहुमत नहीं मिला था। अशोक गहलोत ने बसपा के विधायकों को कांग्रेस में शामिल कर अपनी सरकार बना ली थी। 2018 के विधानसभा चुनाव में सचिन पायलट प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष होने के साथ ही मुख्यमंत्री पद के प्रबल दावेदार थे। विधानसभा चुनाव सचिन पायलट के नेतृत्व में ही लड़ा गया था। हर किसी का मानना था कि कांग्रेस की सरकार बनने पर सचिन पायलट मुख्यमंत्री बनेंगे। इसके पहले 2013 का विधानसभा चुनाव अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री रहते उनके नेतृत्व में लड़ा गया था ।तब कांग्रेस को महज 21 सीटें ही मिल पाई थीं। तब कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बुरी तरह से गिरा हुआ था। ऐसी स्थिति में आलाकमान ने युवा नेता सचिन पायलट को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष बना कर कांग्रेस को फिर से एक बार मजबूत बनाने की जिम्मेदारी सौंपी थी। सचिन पायलट ने पूरी सक्रियता से प्रदेश में दौरे कर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाया और विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की सरकार बनाने का मार्ग प्रशस्त किया था। मगर मुख्यमंत्री बनने की बारी आई तब अशोक गहलोत ने एक बार फिर अपनी जादूगरी दिखाते हुए बाजी पलट कर खुद मुख्यमंत्री बन गए। उस समय सचिन पायलट को मात्र उप मुख्यमंत्री बनकर ही संतोष करना पड़ा था। 2018 में गहलोत के मुख्यमंत्री बनने की जरा भी संभावना नहीं थी। मगर अशोक गहलोत कांग्रेस आलाकमान को अपने विश्वास में लेकर मुख्यमंत्री के पद पर काबिज हो गए। उस समय कांग्रेस आलाकमान ने सचिन पायलट व उनके समर्थक विधायकों को आश्वस्त किया था कि आधे कार्यकाल के बाद पायलट को मुख्यमंत्री बना दिया जाएगा। मगर आधा कार्यकाल बीतने से पहले ही मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सचिन पायलट के सामने ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न कर दी कि उनको गहलोत सरकार के खिलाफ बगावत करनी पड़ी। अशोक गहलोत इसी मौके की तलाश में थे। उन्होंने कांग्रेसी आलाकमान को भरोसे में लेकर सचिन पायलट एवं उनके समर्थक सभी मंत्रियों को पद से बर्खास्त करवा दिया। यहां तक कि सचिन पायलट को भी उपमुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद से बर्खास्त करवा दिया था। एक समय तो ऐसी परिस्थितियां उत्पन्न कर दी गईं थीं कि पायलट एवं उनके समर्थक विधायकों का कांग्रेस से निष्कासन होना तय लग रहा था। मगर ऐन वक्त पर पायलट ने बदली हुई परिस्थितियों को देखकर कांग्रेस आलाकमान के सामने सरेंडर कर दिया था। सचिन पायलट इन दिनों फिर से पार्टी आलाकमान के नजदीक होकर मुख्यमंत्री बनने का दांव चल रहे थे। कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी एवं महासचिव प्रियंका गांधी भी पायलट के पक्ष में खड़े नजर आ रहे थे। कांग्रेस आलाकमान ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर पायलट समर्थक विधायकों को फिर से मंत्रिमंडल में शामिल करने को लेकर दबाव बनाना शुरू कर दिया था। हालांकि गहलोत ने सवा साल के टालमटोल के बाद पायलट समर्थक चार विधायकों को मंत्रिमंडल विस्तार में शामिल किया। इसके विपरीत गहलोत के सख्त रुख के कारण भारी आरोपों के बावजूद उनके समर्थक किसी भी मंत्री को हटाया नहीं गया। कांग्रेस आलाकमान के समक्ष गहलोत किसी भी मंत्री को मंत्रिमंडल से हटाने पर सहमत नहीं हुए थे। कइयों को तो पदोन्नत कर कैबिनेट मंत्री बना दिया गया। पायलट के लगातार बढ़ते दबाव को कम करने के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जयपुर में केंद्र सरकार के खिलाफ कांग्रेस की एक बड़ी सफल रैली करवा कर अपनी ताकत का इजहार किया है। कांग्रेस की रैली में लाखों की भीड़ जुटाकर मुख्यमंत्री गहलोत ने आलाकमान को दिखा दिया कि राजस्थान में आज भी वही सबसे बड़े लोकप्रिय नेता हैं। जयपुर की रैली में कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मलिकार्जुन खड़गे, अधीर रंजन चौधरी, केसी वेणुगोपाल, कमलनाथ, छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सहित सभी बड़े नेता शामिल हुए थे। रैली की सफलता से सोनिया गांधी, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तीनों ही अभिभूत नजर आ रहे थे। रैली की सफलता के बाद कांग्रेस आलाकमान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अगले दो साल तक मुख्यमंत्री के रूप में फ्री हैंड देने के मूड में लग रहा है। कांग्रेसी हलकों में चर्चा है कि रैली की सफलता से अशोक गहलोत की पांचों अंगुलियां घी में हो गई हैं। एक तरफ जहां कांग्रेस आलाकमान उनसे खुश नजर आ रहा है, वहीं अगले दो साल तक वह अपने तरीके से मुख्यमंत्री के रूप में काम करेंगे। 2023 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उन्हीं के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी। इससे गहलोत के विरोधी नेताओं के भी सुर धीरे-धीरे बदलने लगे हैं। अब वह गहलोत के शरणागत होने लगे हैं। हालांकि चुनाव के मामले में मुख्यमंत्री गहलोत का पिछला ट्रैक रिकॉर्ड अच्छा नहीं रहा है। मुख्यमंत्री रहते अशोक गहलोत 2003 के विधानसभा चुनाव में मात्र 56 सीटों पर व 2013 के विधानसभा चुनाव में मात्र 21 सीटों पर ही कांग्रेस को जीता पाए थे। मगर मौजूदा परिस्थितियों में कांग्रेस आलाकमान का पलड़ा गहलोत को ही मुख्यमंत्री बनाये रखने के पक्ष में नजर आ रहा है। यह कम से कम गहलोत के लिए तो बड़ी राहत है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की किसान हित योजनाएं लाभदायी

- अम्बरीष कुमार सक्सेना

भारत सरकार के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने किसानों के हित में कई योजनाएं चलाई हैं, इसी परिप्रेक्ष्य में प्रधानमंत्री किसान मानधन योजना संचालित है, जिसके तहत 60 साल की उम्र के बाद किसानों के लिए पेंशन का प्रावधान है। प्रदेश में संचालित इस योजना के अन्तर्गत 18 साल से 40 साल तक की उम्र का कोई भी किसान लाभ ले सकता है, जिसे उम्र के हिसाब से मासिक अंशदान करने पर 60 वर्ष की उम्र के बाद 3000 रुपये मासिक या 36000 रुपये सालाना पेंशन मिलेगी। इसके लिए अंशदान 55 रुपये से 200 रुपये तक मासिक है। अब तक इस योजना से लाखों किसान जुड़ चुके हैं। इस पेंशन कोष का प्रबंधन भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री किसान मान धन योजना के अन्तर्गत 18 से 40 वर्ष तक की आयु के छोटी जोत वाले लघु एवं सीमान्त किसान हिस्सा ले सकते हैं, जिनके पास दो हेक्टेयर तक ही खेती की जमीन है। इस योजना के तहत कम से कम 20 साल और अधिकतम 40 साल तक 55 रुपये से 200 रुपये तक मासिक अंशदान करना होगा, जो उनकी उम्र पर निर्भर है। अगर 18 साल की उम्र में किसान जुड़ते हैं तो मासिक अंशदान 55 रुपये या सालाना 660 रुपये होगा, वहीं अगर 40 की उम्र में जुड़ते हैं तो 200 रुपये महीना या 2400 रुपये सालाना योगदान करना होगा। पीएम किसान मानधन योजनान्तर्गत जितना योगदान किसान का होगा, उसी धनराशि के बराबर योगदान सरकार भी पीएम किसान अकाउंट में करती है। यानी अगर किसान का योगदान 55 रुपये है तो सरकार भी 55 रुपये का योगदान करेगी। अगर कोई किसान बीच में स्कीम छोड़ना चाहता है तो उसका पैसा नहीं डूबेगा, उसके स्कीम छोड़ने तक जो पैसे जमा किये होंगे, उस पर बैंकों के सेविंग अकाउंट के बराबर का ब्याज मिलेगा। अगर पॉलिसी होल्डर किसान की मौत हो गई, तो उसकी पत्नी को 50 फीसदी रकम मिलती रहेगी। पेंशन योजना का लाभ उठाने के लिए किसान को कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) पर जाकर अपना रजिस्ट्रेशन करवाना होगा, रजिस्ट्रेशन के लिए आधार कार्ड और खसरा-खतौनी की नकल ले जानी होगी। रजिस्ट्रेशन के लिए 2 फोटो और बैंक की पासबुक की भी जरूरत होगी। रजिस्ट्रेशन के लिए किसान को अलग से कोई भी फीस नहीं देनी होगी, रजिस्ट्रेशन के दौरान किसान का किसान पेंशन यूनिक नंबर और पेंशन कार्ड बनाया जाता है। नेशनल पेंशन स्कीम, कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) स्कीम, कर्मचारी भविष्य निधि स्कीम (ईपीएफओ) जैसी किसी अन्य सामाजिक सुरक्षा स्कीम के दायरे में शामिल लघु और सीमांत किसान, ऐसे किसान जिन्होंने श्रम एवं रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री श्रम योगी मानधन योजना के लिए विकल्प चुना है, या ऐसे किसान जिन्होंने श्रम और और रोजगार मंत्रालय द्वारा संचालित प्रधानमंत्री लघु व्यापारी मानधन योजना के लिए विकल्प चुना है। ऐसे किसानों को इस योजना से लाभ नहीं मिलेगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री किसान मानधन (पीएम-केएमवाई) योजना के तहत वर्ष 2019-20 में प्रदेश के लघु एवुं सीमान्त कृषकों को सामाजिक सुरक्षा कवच उपलब्ध कराने एवं वृद्धावस्था में उनकी आजीविका के साधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से स्वैच्छिक रूप से पुरुष व महिला दोनों के लिए 60 वर्ष की आयु प्राप्त करने पर रुपये 3000 प्रति माह की यह सुनिश्चित मासिक पेंशन योजना लागू की है। यह एक स्वैच्छिक एवं अंशदायी पेंशन योजना है। योजनान्तर्गत दिनांक 16.11.2021 तक 252256 लाभार्थियों को कार्ड उपलब्ध कराया जा चुका है, जिसमें पुरुष 74.00 प्रतिशत एवं महिला 26.00 प्रतिशत हैं। इस योजना में 18-25 आयु वर्ग के 23.60 प्रतिशत, 26-35 आयु वर्ग के 49.90 प्रतिशत तथा 36-40 आयु वर्ग के 26.40 प्रतिशत लाभार्थी हैं। वर्ष 2015-16 की कृषि गणना के अनुसार प्रदेश के लघु एवं सीमान्त कृषक परिवारों की संख्या 221.10 लाख (92.80 प्रतिशत) है। किसानों की हितकारी प्रदेश सरकार किसानों को बुढ़ापे में पेंशन देकर उन्हें सामाजिक और आर्थिक सुरक्षा मुहैया करा रही है।

(लेखक हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं)

सू-दोकू नवताल -2002

		6				8		
	1	7		4		5	3	
			3	9	5			
8			2		9			4
		4				1		
5			8		4			7
			1	5	7			
	7	2		6		9	8	
		5				6		

सू-दोकू -2001 का हल

8	3	1	9	5	4	2	6	7
2	5	9	6	3	7	8	1	4
4	6	7	2	1	8	3	5	9
3	1	6	5	4	2	9	7	8
9	4	5	8	7	1	6	2	3
7	2	8	3	9	6	1	4	5
5	7	2	1	8	9	4	3	6
1	8	3	4	6	5	7	9	2
6	9	4	7	2	3	5	8	1

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2002

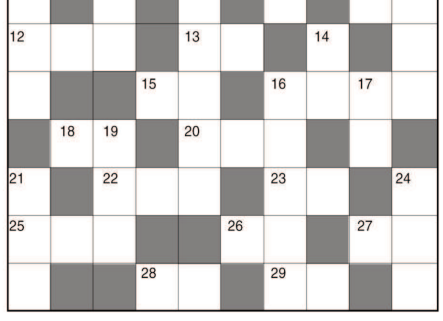

बायें से दायें:-

1. अनिल कपूर, शिल्पा शेट्टी, करिश्मा कपूर अभिनीत फिल्म-2
2. 'दिल का पंक्षी बोले कुकू कुकू' गीत वाली फिल्म-3
4. विनोद खन्ना, अक्षय कुमार दीया मिर्जा अभिनीत फिल्म-3
6. 'तूने अगर प्यार से देखा नहीं' गीत वाली संजय कपूर अभिनीत फिल्म-2
7. 'कसम से तेरी आंखें' गीतवाली फिल्म-4
9. बॉबी देओल, लारा दत्ता, गुल पनाग अभिनीत फिल्म-2
11. 'याद आती है मगर आती नहीं' गीत वाली फिल्म-2
12. विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-3
13. द्विविज काक, रूपा दत्ता की 'तुम से दिल क्या लगा लिया' गीत वाली फिल्म-2
15. कुमार गौरव, माधुरी अभिनीत फिल्म-2
16. 'सर से सरक गई तेरी चुनरी' गीत वाली फिल्म-4
18. जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया अभिनीत फिल्म-2
20. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी अभिनीत फिल्म-3
22. अक्षय, रवीना अभिनीत फिल्म-3
23. ऋषि कपूर अभिनीत 'मैं देर करता नहीं' गीत वाली फिल्म-2
25. गणेश यादव, राजन कपूर, ईशा कोप्पिकर अभिनीत फिल्म-3
26. अनिल कपूर, पूनम ढिल्लो अभिनीत फिल्म-2
27. 'क्यूं आंचल हमारा गिरा जा रहा है' गीत वाली फिल्म-2
28. आफताब शिवदासानी,सेलिना जेटली अमृता अरोड़ा अभिनीत फिल्म-2
29. 'मैं ऐसा क्यों हूं' गीत वाली फिल्म-2

ऊपर से नीचे:-

1. विनोद खन्ना, रणदीप हूडा, तनुश्री दत्ता सीमा बिस्वास अभिनीत एक फिल्म-2
2. 'बस एक जरा कहा तुम मानो' गीत वाली फिल्म-3
3. 'तुम आए तो आया मुझे याद' गीत वाली अजय देवगन की फिल्म-2
4. 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' संजय दत्त अभिनीत फिल्म-3
5. अमिताभ, अक्षय कुमार, रिमि सेन की फिल्म-3,3
6. 'मेरे संग संग आया तेरी यादों का मेला' गीत वाली धर्मेन्द्र अभिनीत फिल्म-4
8. 'कहीं दीप जले कहीं दिल' गीतवाली फिल्म-2,2,2
9. अक्षय कुमार, ट्विंकल खन्ना राखी मल्होत्रा अभिनीत फिल्म-2
10. सनी देओल, अमृता सिंह अभिनीत फिल्म-3
14. 'मुझे नींद न आए मुझे चैन न आए' गीत वाली फिल्म-2
16. 'हमें तो लूट लिया मिल के हुस्न वालों ने' गीत वाली फिल्म-2,3
17. 'धक धक करने लगा' गीत वाली फिल्म-2
19. फिल्म 'अवतार' में राजेश खन्ना की नायिका कौन थी-3
21. 'ये दुनिया वाले पूछेंगे' गीत वाली फिल्म-3
24. शाहिद कपूर, अमृता राव अभिनीत फिल्म-3

फिल्म वर्ग पहेली-2001

बॉ	बी		बा		फा	गु	न		सा
र्ड		ते	जा	ब		ड्डी		क्रो	ध
र	वि		र	च	ना		कै		ना
	दा	ग		प		जा	न	म	
भा	ई		ध	न	वा	न		म	र्द
भी		क	र्म		सु		दा	ता	
	गै		वी	रू		सौ	दा		दो
आ	र	पा	र			दा		म	स्त
वा		कि		चि	रा	ग		हि	
रा	म	जा	ने			र	ह	मा	न

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

बनाएं लिस्ट

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

कैरी करें सिर्फ कैश

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्सट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

एक जगह न अटकें

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखे। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत में कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें.कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गई ज्यादातर चीजें ऐसी होती है जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे।

ऑनलाइन देखें ऑप्शन्स

आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है। इन वेबसाइट्स पर अच्छा खासा डिस्काउंट भी उपलब्ध होता है। ऐसे में आप चाहे तो स्टोर में कपड़ों को ट्राई कर सकती हैं और सही साइज मिल जाने पर उसे ऑनलाइन सर्च करें। अगर वहां ये सस्ते में मिल रहे हैं तो फिर वेबसाइट से ही इसे ऑर्डर करें।

शॉपिंग पार्टनर भी है अहम

हमें यकीन है आप में से कई लोगों ने कभी इस बात को सोचा भी नहीं होगा, लेकिन आपकी फिजूलखर्ची के लिए आपके साथ शॉपिंग पर गया शख्स भी जिम्मेदार हो सकता है। अगर वह आपको बार-बार नई चीज दिखाए और कहे कि आप इसे ले लें क्योंकि यह अच्छा लगेगा, या फिर डिस्काउंट के चक्कर में ज्यादा चीजें लेने की सलाह दे तो बेहतर है कि अगली बार आप उसके साथ न जाएं। शॉपिंग पर ऐसे शख्स के साथ जाएं जो आपको फिजूलखर्ची से रोके और आपको जो लेना है उसकी ओर ध्यान केंद्रित करवाए।

जा रहे हैं सब्जी लेने तो इन बातों का जरूर रखें ध्यान

सब्जी खरीदने की बात आती है तो ज्यादातर लोग बस दाम पर ही ध्यान देते हैं, लेकिन सिर्फ प्राइस कम हैं तो इसका मतलब यह नहीं कि यह फायदे का सौदा है। बल्कि आपको इन्हें खरीदने के दौरान ऐसी कई चीजों का ध्यान रखना चाहिए जो सब्जी की मौजूदा क्वॉलिटी और वह कितनी जल्दी खराब हो जाएगी यह तय करते हैं।

सब्जी न हो कहीं से डैमेज

सब्जी जब लें तो उसे चारों ओर से पलटकर ध्यान से जरूर देखें। अगर उसमें जरा सा भी छेद या कट दिखाई देता है तो उसे न लें। ऐसी सब्जियों में कीड़े होने के चांस ज्यादा रहते हैं। वहीं अगर जो सब्जियां किसी हिस्से से दबी हुई हों खासतौर से टमाटर जैसी चीज तो इनके जल्दी खराब होने का डर रहता है।

हल्का सा दबाकर देखें

टमाटर हो, प्याज हो, आलू हो, गाजर हो या कोई अन्य सब्जी, उसे दबाकर जरूर देखें। हल्के से दबाव से ही पता चल जाता है कि कहीं वह सब्जी अंदर से खराब तो नहीं है। हालांकि, पत्तेदार सब्जियों पर यह तरीका काम नहीं करता है।

जब बात आए पत्तेदार सब्जियों की

पत्तेदार सब्जियों में इतने वैरायटी होती है कि सभी पर एक तरीका काम नहीं करता है। हालांकि, कुछ कॉमन बातें हैं जिनका इन्हें लेने के दौरान ध्यान रखना जरूरी है। ध्यान में रखें कि ऐसी पत्तेदार सब्जी न लें जो पानी में बहुत ज्यादा भीगी हो, इनके जल्दी खराब होने के डर रहता है। पालक, लाल भाजी जैसी सब्जियों को लेते वक्त एक-एक पत्ते को ध्यान से देख लें क्योंकि इनके बीच में कीड़े हो सकते हैं। पत्ते पीले या बड़े हों तो उन्हें न लें क्योंकि उनमें स्वाद कम होता है।

सूंघकर देखें

मार्केट में पैक्ड मशरूम, कॉर्न्स, स्प्राउट्स जैसी चीजें मिलती हैं। इन्हें जब लें तो पैकेट को नाक से थोड़ी दूर पर रखते हुए उन्हें सूंघें। अगर वे पुराने होंगे तो उनकी स्मेल बदल चुकी होगी। ऐसे पैकेट्स को न लें, नहीं तो बीमार हो सकते हैं।

उतना ही लें जितना इस्तेमाल हो जाए

कई ऐसी सब्जियां होती हैं जिन्हें सिर्फ उतना ही लेना चाहिए जितना आप इस्तेमाल कर पाएं। फ्रिज में भी ये सब्जियां ज्यादा दिन टिक नहीं पाती हैं। उदाहरण के लिए धनिया और टमाटर। ये दोनों ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप ज्यादा ले तो लें लेकिन अगर ये सिर्फ फ्रिज में ही रखी हैं तो तीन-चार दिन में ही ये खराब होना शुरू कर देंगीं।

बेड के लिए परफेक्ट चादर खरीदने में काम आएंगी ये टिप्स

क्या आप मार्केट में नई बेडशीट लेने जाने के बारे में सोच रहे हैं अगर हां तो बेहतर होगा कि आप पहले नीचे दी गई जानकारी पढ़ें लें, ऐसा करने पर शायद आप ज्यादा बेहतर चादर का सिलेक्शन कर सकेंगे।

लोग आमतौर पर बेड के गद्दों को लेने से पहले पूरी जानकारी इकट्ठा कर लेते हैं लेकिन जब बात आती है चादर की तो वे इस मामले को हल्के में ले लेते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अच्छी नींद के लिए जितना जरूरी अच्छा गद्दा है उतनी ही जरूरी चादर भी है। आप अपने बेड के लिए कैसे सही चादर चुन सकते हैं इसमें नीचे दिए टिप्स आपके काफी काम आ सकते हैं। फैब्रिक का रखें ध्यानसबसे बड़ी और पहली बात होती है फैब्रिक का सही सिलेक्शन करना। यह इसलिए जरूरी होता है कि क्योंकि बेडशीट का कपड़ा आपके शरीर के संपर्क में आएगा इसलिए चादर का सिर्फ सुंदर होना नहीं बल्कि कंफर्टेबल होना भी जरूरी है। इस लिहाज से कॉटन की चादर बेस्ट फिट कही जा सकती है। कॉटन न सिर्फ स्किन के अगेंस्ट कंफर्टेबल रहता है बल्कि यह ब्रिदेबल फैब्रिक भी माना जाता है, जो नमी इकट्ठा नहीं करता।

साइज

बस यूं ही चादर लेने न निकल पड़ें। आपका बेड कितने साइज का है और आपको साइड में कितनी चादर छोड़नी है इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए बेडशीट सिलेक्ट करें। आमतौर पर अगर आप मार्केट से चादर लेते हैं तो पैकेट पर ही साइज लिखा होता है, जो आपके काम को आसान कर सकता है। हालांकि, अगर आप बिना पैकेट वाली चादर लेते हैं तो नाप का ध्यान जरूर रखें।

वाइट- कलरफुल चादर

वाइट कलर की खासियत होती है कि यह शांत करने में मदद करता है। यही इफेक्ट सफेद चादर भी क्रिएट करती है। यह ज्यादा रिलैक्सिंग फीलिंग के साथ ही मूड को शांत करने में मदद करती है। वहीं कलरफुल चादर रूम में चियरफुल फील क्रिएट करती है। बात करें स्ट्राइप चादर की तो यह रूम को व्यवस्थित दिखाने में मदद करती है।

रिटर्न पॉलिसी

जी हां, इस बात को भूलकर भी इग्नोर न करें। कई बार होता है कि चादर लेने के बाद एक ही वॉश में सारे कलर उड़ जाते हैं। अच्छी कंपनीज अपने ग्राहकों को ऐसी स्थिति में चादर रिटर्न करने का भी ऑप्शन देती है क्योंकि यह क्वॉलिटी में खरे न उतरने वाली बात है। ऐसे में अगर आप ऐसी कंपनी की चादर ले लें जिसमें ऐसी रिटर्न पॉलिसी न हो तब तो आपकी चादर बस एक ही बार बिछाई जा सकेगी।

पीएफ अकाउंट ट्रांसफर करना आसान

नई दिल्ली । कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने कर्मचारियों की सुविधा के लिए अकाउंट ट्रांसफर आसान बना दिया है। अब किसी भी कर्मचारी को अपना अकाउंट ट्रांसफर कराने के लिए पुराने संस्थान का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। वे घर बैठे ऑनलाइन अपने अकाउंट को ट्रांसफर कर सकते हैं। अगर आप अपना पीएफ अकाउंट ऑनलाइन ट्रांसफर करने जा रहे हैं, तो पहले आप चेक कर लीजिए कि आपका अकाउंट आधार से लिंक है या नहीं। अकाउंट ट्रांसफर करने के लिए आपका पीएफ अकाउंट आधार से लिंक होना चाहिए। साथ ही मोबाइल नंबर और अन्य जरूरी जानकारी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन में अपडेट होनी चाहिए। इसके बाद आप घर बैठे ही आपना पीएम अकाउंट आसानी से ट्रांसफर कर सकेंगे।

नए साल में कर सकेंगे 1,122 रुपए में हवाई सफर

नई दिल्ली । विमानन कंपनी स्पाइसजेट की वीओवी विंटर सेल सोमवार 27 दिसंबर से शुरू हो चुकी है जो 31 दिसंबर तक चलेगी। इसके तहत यात्रियों को केवल 1,122 रुपए में घरेलू हवाई यात्रा का मौका मिल रहा है। यह ऑफर 15 जनवरी से 15 अप्रैल तक की यात्रा के लिए है। कंपनी के मुताबिक यह सेल ऑफर यात्रा की तिथि से कम से कम 15 दिन पहले की गई बुकिंग के लिए वैलिड है। अगर आप अपने यात्रा की योजना बनाते हैं तो सेल फेयर बुकिंग्स पर एक बार मुफ्त में तारीख बदलवा सकते हैं लेकिन इसके लिए कम से कम दो दिन पहले प्रे क्रिया करनी होगी। स्पाइसजेट साथ ही अगली यात्रा पर 500 रुपए का फी फ्लाइट वाउचर भी दे रही है। इसे 15 से 31 जनवरी की अवधि के दौरान भुनाया जा सकता है। यह 30 सितंबर, 2022 तक की यात्रा अवधि के लिए वैध है, लेकिन इसका लाभ लेने के लिए डिपार्चर डेट से कम से कम 15 दिन पहले बुकिंग करनी होगी।

चीन के पांच उत्पादों पर सरकार ने लगाई एंटी डंपिंग ड्यूटी

मुंबई । केंद्र सरकार ने घरेलू उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए और स्थानीय विनिर्माताओं को सस्ते आयात से बचाने के लिए पांच चीनी सामानों पर पांच साल के लिए डंपिंग रोधी शुल्क यानी एंटी-डंपिंग ड्यूटी लगा दी है। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआइसी) ने इस संबंध में अलग-अलग अधिसूचना जारी की है। इसके तहत एल्यूमीनियम के कुछ फ्लैट रोल्ड उत्पादों, सोडियम हाइड्रोसल्फाइट, सिलिकान सीलेंट, हाइड्रोफ्लोरोकार्बन कंपोनेंट आर-32 और हाइड्रोफ्लोरोकार्बन मिश्रण पर शुल्क लगाया गया है। यह शुल्क वाणिज्य मंत्रालय की जांच शाखा डायरेक्टोरेट जनरल आफ ट्रेड रेमेडीज (डीजीटीआर) की सिफारिशों के बाद लगाए गए हैं। डीजीटीआर ने अलग-अलग जांच में पाया है कि इन उत्पादों को भारतीय बाजारों में सामान्य मूल्य से कम कीमत पर निर्यात किया गया है, जिसके परिणामस्वरूप डंपिंग हुई है। डीजीटीआर ने कहा कि डंपिंग से घरेलू उद्योगों को नुकसान हुआ है। सीबीआईसी ने घरेलू विनिर्माताओं को सस्ते चीनी आयात से बचाने के लिए सीकेडी, एसकेडी में ट्रेलरों के लिए एक व्हीकल कंपोनेंट-एक्सल पर भी एंटी डंपिंग ड्यूटी लगाई गई है। इसी तरह ईरान, ओमान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से कैलक्लाइंड जिप्सम पाउडर के आयात पर भी पांच साल के लिए शुल्क लगाया गया है। गौरतलब है कि डीजीटीआर शुल्क लगाने की सिफारिश करता है, लेकिन इस पर ओ खिरी फैसला वित्त मंत्रालय करता है।

नए साल में दुनिया की अर्थव्यवस्था छुएगी नई ऊंचाई

लंदन (एजेंसी)।

दुनिया का आर्थिक उत्पादन अगले साल पहली बार 100 लाख करोड़ डॉलर को पार कर जाएगा। साथ ही चीन को नंबर 1 अर्थव्यवस्था के रूप में संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकलने में पहले की तुलना में थोड़ा अधिक समय लगेगा। यह बात एक रिपोर्ट में कही गई। ब्रिटिश कंसल्टेंसी ने सीईबीआर अनुमान जताया है कि चीन 2030 में डॉलर के मामले में दुनिया की शीर्ष अर्थव्यवस्था बन जाएगा, जो पिछले साल की वर्ल्ड इकोनॉमिक लीग टेबल रिपोर्ट के पूर्वानुमान से दो साल की देरी है। सीईबीआर ने कहा कि भारत अगले साल फ्रांस और फिर 2023 में ब्रिटेन से आगे निकलकर दुनिया की छठीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में अपना स्थान फिर हासिल करने के लिए तैयार है। सीईबीआर के एक मुख्य अे धिकारी ने कहा कि 2020 के लिए महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि विश्व अर्थव्यवस्थाएं मुद्रास्फीति से कैसे निपटती हैं, जो अब अमेरिका में 6.8 फीसदी तक पहुंच गई है।हमें उम्मीद है कि अपेक्षाकृत मामूली समायोजन गैर-क्षणिक तत्वों को नियंत्रण में लाएगा। यदि नहीं तो दुनिया को 2023 या 2024 में मंदी के लिए खुद को तैयार करने की आवश्यकता होगी। रिपोर्ट से पता चलता है कि जर्मनी 2033 में आर्थिक उत्पादन के मामले में जापान से आगे निकलने की राह पर है। रूस 2036 तक टॉप 10 अर्थव्यवस्था बन सकता है और इंडोनेशिया 2034 में नौवें स्थान की राह पर है।

256 जिलों में सोने की हॉलमार्किंग अनिवार्यः सरकार

नई दिल्ली । उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अनुसार देश के 256 जिलों में सोने के आभूषणों की अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू हो चुकी है और सभी जिलों तक इसका विस्तार करने की तैयारी है। हॉलमार्किंग एक गुणवत्ता प्रमाणपत्र है, जिसे देश के 256 जिलों में 23 जून 2021 से 14, 18 और 22 कैरेट सोने के आभूषणों के लिए अनिवार्य कर दिया गया है। इन 256 जिलों में कम से कम एक हॉलमार्किंग केंद्र है। मंत्रालय ने मंत्रिमंडल के लिए तैयार अपनी मासिक रिपोर्ट में कहा है कि कुल मिलाकर अनिवार्य हॉलमार्किंग सुचारू रूप से चल रही है और इसे देश के सभी जिलों में लागू करने की प्रक्रिया जारी है। भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के साथ पंजीकृत आभूषण कारोबारियों की संख्या अनिवार्य हॉलमार्किंग लागू होने के बाद लगभग चौगुनी हो गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि अब तक 1.27 लाख ज्वैलर्स ने हॉलमार्क वाले आभूषण बेचने के लिए बीआईएस के साथ पंजीकरण कराया है और देश में 976 बीआईएस मान्यता प्राप्त एएचसी संचालित हैं। देश में ऑटोमेशन सॉफ्टवेयर आने के बाद पांच महीनों में लगभग 4.5 करोड़ आभूषणों की हॉलमार्किंग की गई है।

आरबीएल बैंक के शेयरों में बड़ी गिरावट, निवेशकों के डूबे करोड़ों

मुंबई । निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक के शेयरों में सोमवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बीएसई पर आरबीएल बैंक का शेयर 20 फीसदी गिरकर 52 हफ्ते के निचले स्तर 138 रुपए के भाव पर आ गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने योगेश के दयाल को आरबीएल बैंक के बोर्ड में एडिशनल डायरेक्टर नियुक्त किया है। इस खबर से सोमवार को बैंक को शेयरों में भारी गिरावट दर्ज की गई। शेयर में गिरावट से निवेशकों को 2,100 करोड़ रुपए से ज्यादा का नुकसान हुआ। शुक्रवार को बंद भाव पर आरबीएल बैंक का मार्केट कैप 10,340.23 करोड़ रुपए था, जो सोमवार को 2166.94 करोड़ रुपए घटकर 8,173.29 करोड़ रुपए हो गया। विश्ववीर आहूजा ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद छोड़ने की घोषणा कर दी। उसके बाद बैंक के निदेशक मंडल ने राजीव को अंतरिम तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपी है। राजीव ने अपनी नियुक्ति पर कहा कि निदेशक मंडल ने विश्ववीर के छुट्टी पर जाने के बाद उन्हें इस जिम्मेदारी के लिए चुना है और इसे आरबीआई की तरफ से नियुक्त एडिशनल डायरेक्टर का भी समर्थन हासिल है। राजीव ने कहा कि आरबीएल बैंक और उसकी रणनीति को केंद्रीय बैंक का पूरा समर्थन हासिल है। इस घटनाक्रम का बैंक की एसेट क्वालिटी से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने कहा कि बैंक दिसंबर तिमाही में बैंक का मुनाफा सितंबर तिमाही से भी अधिक रहेगा। बैंक के पास 15,000 करोड़ रुपए की अधिक तरलता है और वह ग्राहकों तक पहुंचने के लिए कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि बैंक मार्च 2022 तक अपने शुद्ध एनपीए को दो प्रतिशत के नीचे लेकर आएगा।

नए साल में बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार का एजेंडा प्रमुख होगाः वित्त मंत्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

नए साल 2022 में सरकार के एजेंडे में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के निजीकरण और आईडीबीआई बैंक के रणनीतिक विनिवेश के साथ ही बैंकिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण सुधार का एजेंडा प्रमुख होगा। जानकारों का कहना है कि कोरोना के नए स्वरूप ओमीक्रोन के फैलने पर थोड़ी रुकावट आ सकती है। हालांकि महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप के बावजूद बैंकिंग क्षेत्र ने गुजर रहे साल 2021 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। सरकार की बहुआयामी रणनीति स्वीकारोक्ति, संकल्प, पुनर्पूंजीकरण और सुधार की मदद से बैंकिंग क्षेत्र का फंसा हुआ कर्ज (एनपीए) 31 मार्च 2021 तक घटकर 8,35,051 करोड़ रुपए रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की जुलाई 2021 में जारी वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट (एफएसआर) के अनुसार अधिसूचित वाणिज्यिक बैंकों का सकल एनपीए अनुपात मार्च 2021 के 7.48 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2022 में 9.80 प्रतिशत हो सकता है। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों (पीएसबी) का शुद्ध लाभ पहली तिमाही में बढ़कर 14,012 करोड़ रुपए हो गया और सितंबर 2021 को समाप्त दूसरी तिमाही में यह आंकड़ा बढ़कर 17,132 करोड़ रुपए हो गया। चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में इन बैंकों का कुल लाभ 31,114 करोड़ रुपए पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में अर्जित कुल लाभ 31,820 करोड़ रुपए के करीब है।

इसी तरह निजी क्षेत्र के एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक सहित अन्य बैंकों ने भी फंसे कर्ज में कमी के साथ अच्छा मुनाफा कमाया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने 2021-22 के बजट में सार्वजनिक उपक्रम नीति (पीएसई) जारी करते हुए कहा था कि चार रणनीतिक क्षेत्रों को छोड़कर अन्य क्षेत्रों में सार्वजनिक उपक्रमों का विनिवेश किया जाएगा। पीएसई नीति के तहत वित्त मंत्री ने बजट में दो सरकारी बैंकों के निजीकरण की भी घोषणा की थी। बैंकिंग कानून (संशोधन) विधेयक को आगामी बजट सत्र में पेश किया जा सकता है, जिससे पीएसबी में न्यूनतम सरकारी हिस्सेदारी 51 प्रतिशत से घटाकर 26 प्रतिशत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

बैंक, आईटी कंपनियों के शेयरों में तेजी से सेंसेक्स 296 अंक मजबूत

नई दिल्लीः

बीएसई सेंसेक्स सोमवार को करीब 296 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ। सूचना प्रौद्योगिकी, वित्तीय और दवा कंपनियों के शेयरों में तेजी के साथ बाजार में मजबूती आई। तीस शेयरों पर आधारित सेंसेक्स कारोबार के दौरान दिन के न्यूनतम स्तर से 960 अंक सुधरा और अंत में 295.93 अंक यानी 0.52 प्रतिशत की बढ़त के साथ 57,420.24 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 24 शेयर लाभ में जबकि छह नुकसान में रहे। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 82.50 अंक यानी 0.49 प्रतिशत मजबूत होकर 17,086.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 में से 40 शेयर लाभ में रहे। सेंसेक्स के शेयरों में तीन प्रतिशत से अधिक की तेजी के साथ सर्वाधिक लाभ में टेक महिंद्रा रही। इसके अलावा डा. रेड्डीज 1.95 प्रतिशत, पावरग्रिड 1.6 प्रतिशत, कोटक बैंक 1.56 प्रतिशत और सन फार्मा 1.16 प्रतिशत मजबूत हुए। आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., महिंद्रा एंड महिंद्रा, एक्सिस बैंक और बजाज फाइनेंस में तेजी से बाजार को निचले स्तर से बाहर निकलने में मदद मिली। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में इंडसइंड बैंक, एशियन पेंट्स, मारुति और भारती एयरटेल शामिल हैं। निजी क्षेत्र के आरबीएल बैंक का शेयर बीएसई में 18 प्रतिशत लुढ़ककर 140.90 रुपए पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह 52 सप्ताह के निचले स्तर तक आया। निजी क्षेत्र के बैंक को लेकर विभिन्न अटकलों के बीच रिजर्व बैंक ने सोमवार को कहा कि आरबीएल बैंक के पास पर्याप्त पूंजी है और उसकी वित्तीय स्थिति 'संतोषजनक% है। आरबीएल बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्ववीर आहूजा के पद से हटने और आरबीआई के अपने मुख्य महाप्रबंधक को बैंक के निदेशक मंडल में अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किये जाने के बाद उक्त बयान आया। आनंद राठी के इक्विटी शोध प्रमुख (बुनियादी) नरेंद्र सोलंकी ने कहा, ''एशियाई बाजारों में मिले-जुले रुख के बीच भारतीय बाजार नुकसान में खुला। इसका कारण अवकाश की वजह से कम कारोबार के बीच ओमीक्रॉन को लेकर बढ़ती चिंता है।'' दोपहर के कारोबार में स्वास्थ्य, औद्योगिक और पूंजीगत सामान कंपनियों के शेयरों में बढ़त के साथ बाजार में तेजी लौटी। सोलंकी ने कहा, ''मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के एक सदस्य की बात से कारोबारी उत्साहित हुए। उन्होंने उम्मीद जताई है कि अगली कुछ तिमाहियों तक पूंजी निवेश बढ़ेगा और अगले वित्त वर्ष में भी आर्थिक वृद्धि दर बेहतर रहेगी।'' जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''वैश्विक स्तर पर कोविड मामलों में वृद्धि के बावजूद घरेलू बाजार कमजोर शुरुआत के बावजूद बढ़त के साथ बंद हुए। इसका कारण कोरोना वायरस के नए स्वरूप से ज्यादा गंभीर रूप से बीमार होने की आशंका नहीं होने से जुड़ी रिपोर्ट है। दवा, आईटी, वित्त जैसे क्षेत्रों में तेजी से बाजार बढ़त में आया।'' एशिया के अन्य बाजारों में चीन में शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया में कॉस्पी और जापान का निक्की नुकसान में रहे, जबकि हांगकांग के हैंगसेंग में तेजी रही।

यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख था। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.01 प्रतिशत बढ़कर 75.78 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ 75 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

बीबीबी ने यूनियन बैंक के प्रबंध निदेशक पद के लिए आवेदन मांगे

नई दिल्ली (एजेंसी):

बैंक बोर्ड ब्यूरो (बीबीबी) ने यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पद के लिए आवेदन मांगे हैं। यह नियुक्ति तीन साल के लिए होगी। बीबीबी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों और वित्तीय संस्थानों में शीर्ष पदों के लिए उपयुक्त उम्मीदवारों की खोज करता है। मुंबई के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का पद मई, 2022 में राजकिरण राय जी के सेवानिवृत्त होने के बाद रिक्त हो जाएगा। बीबीबी ने इस बारे में निकाले गए विज्ञापन में कहा है कि बैंक के नए प्रबंध निदेशक एवं सीईओ का कार्यकाल पदभार संभालने की तिथि से तीन साल के लिए होगा। इसमें सेवानिवृत्ति की आयु सामान्य रूप से 60 साल होगी। बैंकिंग नियमन अधिनियम के तहत किसी राष्ट्रीयकृत बैंक के प्रबंध निदेशक के लिए उम्र की ऊपरी सीमा 60 साल है। राय को एक जुलाई, 2017 को तीन साल के लिए यूनियन बैंक का प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया था। उनका कार्यकाल 30 जून, 2020 तक था। पिछले साल उन्हें दो साल का विस्तार दिया गया। बीबीबी की ओर निकाले गए विज्ञापन में कहा गया है कि इस पद के लिए आवेदन करने वाला व्यक्ति भारतीय नागरिक होना चाहिए और उसकी आयु 45 से 57 साल के बीच होनी चाहिए। उसका पिछला रिकॉर्ड अच्छा होना चाहिए और साथ ही उसे मुख्यधारा की बैंकिंग का कम से कम 15 साल का अनुभव होना चाहिए। सिर्फ वही उम्मीदवार इस पद पर आवेदन कर सकते हैं जो कम से कम एक साल बोर्ड स्तर के पद पर रहे हों। ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 28 जनवरी, 2022 है।

वर्ष 2020-21 के लिए 26 दिसंबर तक 4.51 करोड़ आयकर रिटर्न जमा

नई दिल्ली (एजेंसी):

वित्त वर्ष 2020-21 के लिए आयकर रिटर्न जमा करने वालों की संख्या 26 दिसंबर तक 4.51 करोड़ से भी अधिक हो चुकी है। आयकर विभाग ने सोमवार को बताया कि 26 दिसंबर तक जमा हुए आयकर रिटर्न में 2.44 करोड़ रिटर्न आईटीआर-1 फॉर्म (सहज) हैं, जबकि 1.12 करोड़ रिटर्न आईटीआर-4 फॉर्म (सुगम) हैं। सहज और सुगम फॉर्म छोटे एवं मझोले करदाताओं के रिटर्न के लिए इस्तेमाल होते हैं। सहज फॉर्म का इस्तेमाल 50 लाख रुपए तक की सालाना आय वाले व्यक्तिगत करदाता कर सकते हैं। वेतन और आवासीय संपत्ति से कमाई करने वाले करदाताओं को सहज फॉर्म भरना होता है। वहीं सुगम फॉर्म के जरिए आयकर रिटर्न व्यक्तिगत करदाता, हिंदू अविभाजित परिवार और 50 लाख रुपए तक की कारोबारी आय वाले जमा कर सकते हैं। वित्त वर्ष 2020-21 के लिए आयकर रिटर्न जमा करने की अंतिम तारीख पहले 31 जुलाई थी लेकिन बाद में इसे बढ़ाकर 31 दिसंबर कर दिया गया। रिटर्न जमा करने की अंतिम तारीख नजदीक आने के साथ ही 26 दिसंबर तक कुल 4,51,95,418 रिटर्न जमा किए जा चुके हैं। इनमें 26 दिसंबर को भरे गए 8,77,721 रिटर्न भी शामिल हैं। वित्त वर्ष 2019-20 के लिए कुल 5.95 करोड़ रिटर्न जमा किए गए थे।

वन मोटो ने भारतीय बाजार में पावरफुल स्कूटर एलीटा लांच की

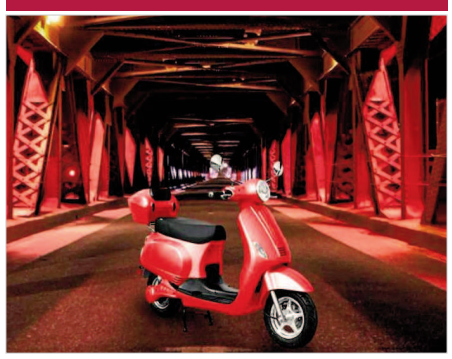

मुंबई (एजेंसी) ।

ब्रिटिश इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी वन मोटो ने भारतीय बाजार में पावरफुल स्कूटर एलीक्ट लांच किया है। सबसे खास बात है कि स्कूटर में 150किलोमीटर की रेंज और 100 किलोमीटरप्रतिघंटा तक की स्पीड मिलती है। स्कूटर का डिजाइन काफी आकर्षक है।इस रेट्रो लुक देने के साथ फीचर लोडेड भी बनाया गया है। कंपनी ने नए स्कूटर को मैट ब्लैक, शाइनी ब्लैक, ब्लू, रेड और ग्रे सहित 5 कलर ऑप्शन में उतारा है।

भारत में यह कंपनी का तीसरा प्रोडक्ट है।इसके पहले वन मोटो ने वन मोटो बयाका और वन मोटो क्मूटा लांच किए थे। इनकी कीमत क्रमशः 1.80 लाख रुपये और 1.30 लाख रुपये थी। कंपनी के सभी स्कूटर वनएप सपोर्ट के साथ आते हैं। एप के जरिए आपको मेंटेनेंस अलर्ट सहित स्कूटर से जुड़ी कई जानकारी मिलती हैं।

स्कूटर में 72वी 45एएच की लीथियम आयन बैटरी दी गई है। कंपनी दावा करती है कि स्कूटर फुल चार्ज में 150 किलोमीटर की रेंज ऑफर करता है और इसकी टॉप स्पीड 100 किलोमीटर प्रति घंटा की है। यह फुल चार्ज होने में सिर्फ 4 घंटे का समय लेता है।

वन मोटो अपने यूजर्स को मोटर, कंट्रोलर और बैटरी पर 3 साल की वारंटी दे रही है। स्कूटर के साथ एनालॉग डिस्प्ले, हाइड्रोलिक डिस्क ब्रेक (फ्रंट/रियर), और ऑप्शनल क्रोम अपग्रेड जैसी सुविधाएं भी मिलती हैं। इस हाई स्पीड स्कूटर की कीमत 1,99,900 रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है।

1 जनवरी से महंगा होगा कपड़े और फुटवियर खरीदना

मुंबई (एजेंसी)।

नए साल में एक जनवरी, 2022 से वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) नियमों में कई बदलाव हो रहे हैं। इनमें ई-कॉमर्स सेवा प्रदाताओं पर परिवहन एवं रेस्तरां क्षेत्र में दी जाने वाली सेवाओं पर कर देनदारी भी शामिल है। इसके अलावा फुटवियर और कपड़ा क्षेत्र में शुल्क ढांचे में बदलाव भी एक जनवरी 2022 से लागू होगा जिसके तहत सभी प्रकार के फुटवियर पर 12 फीसदी जीएसटी (माल एवं सेवा कर) लगेगा जबकि रेडीमेड कपड़ों समेत सभी टेक्साइटल उत्पादों (कपास को छोड़कर) पर 12 फीसदी जीएसटी लगेगा। ऑटो रिक्शा चालकों को ऑफलाइन तरीके से दी जाने वाली यात्री परिवहन सेवाओं पर छूट मिलती रहेगी लेकिन जब ये सेवाएं किसी ई-कॉमर्स मंच से दी जाएंगी तो इन पर नए साल से 5 फीसदी की दर से कर लगेगा। प्रक्रियागत बदलावों के तहत, स्विगी और जोमेटो जैसे ई-वाणिज्य सेवा प्रदाताओं का यह उत्तरदायित्व होगा कि उनके द्वारा दी जाने वाली रेस्तरां सेवाओं के बदले वे जीएसटी एकत्रित करें और उसे सरकार के पास जमा करवाएं। ऐसी सेवाओं के बदले उन्हें बिल भी जारी करने होंगे। इससे ग्राहकों पर कोई अतिरिक्त भार नहीं आएगा क्योंकि रेस्तरां पहले से ही जीएसटी राजस्व एकत्रित कर रहे हैं। बदलाव सिर्फ इतना हुआ है कि कर जमा करवाना और बिल जारी करने की जिम्मेदारी अब खाद्य पदार्थ आपूर्ति करने वाले मंचों पर आ गई है। यह कदम इसलिए उठाया गया क्योंकि सरकार का ऐसा अनुमान है कि खाद्य आपूर्ति मंचों द्वारा कथित तौर पर पूरी जानकारी नहीं देने से बीते दो वर्ष में सरकारी खजाने को करीब 2,000 रुपए का नुकसान उठना पड़ा है और इन मंचों को जीएसटी जमा करवाने के लिए उत्तरदायी बनाने से कर चोरी पर रोक लगेगी। कर चोरी रोकने के लिए नए साल में कुछ और कदम उठाए जाएंगे। इनमें जीएसटी रिफंड पाने के लिए आधार सत्यापन अनिवार्य करना, जिन व्यवसायों ने कर अदा नहीं किए हैं उनकी जीएसटीआर-1 फाइलिंग सुविधा पर रोक लगाना आदि शामिल है।

रूसी टेनिस खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव पाए गए कोरोना संक्रमित

बार्सिलोना । रूस के स्टार टेनिस खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव कोरोना वैक्सीन के दोनों डोज लगाने के बावजूद कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। दुनिया के नंबर पांच खिलाड़ी रुबलेव ने सोमवार को एक ट्वीट में जानकारी दी। उन्होंने कहा, 'मैं इस समय बार्सिलोना में हूं और दुर्भाग्यवश कोरोना पॉजिटिव पाया गया हूं। मैं अब आइसोलेशन में हूं और डॉक्टरों की निगरानी में सभी प्रोटोकॉल्स का पालन कर रहा हूं। मैं पूरी तरह से वैक्सीनेट हूं और एटीपी कप और ऑस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट की तैयारी कर रहा था। अब मुझे ठीक होना है और मैं मेलबोर्न तभी जाउंगा जब यह सबके लिए सुरक्षित होगा। उल्लेखनीय है कि रुबलेव ने इस महीने अबू धाबी में मुबाडाला विश्व टेनिस चैंपियनशिप जीती थी, जो कोरोना वायरस के लिए एक सुपरस्प्रेडिंग इवेंट बन गया। उनसे पहले स्टार टेनिस खिलाड़ी राफेल नडाल, डेनिस शापोवालोव, ओन्स जबूर और बेलिंडा बेनकिक ने इस इवेंट में प्रतिस्पर्धा करने के बाद कोरोना संक्रमित पाए जाने की पुष्टि की थी।

राष्ट्रीय महिला हॉकी का शिविर हुआ शुरू, इतनी खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के बेंगलुरू स्थित दक्षिण केंद्र में सोमवार को सीनियर महिला राष्ट्रीय हॉकी शिविर शुरू हुआ जिसमें 60 खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। खिलाड़ियों का चयन हाल में संपन्न 11वीं सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप, अंतर विभाग राष्ट्रीय चैंपियनशिप और हॉकी इंडिया से स्वीकृत अन्य घरेलू प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। हॉकी इंडिया के अनुसार इस 60 सदस्यीय सूची में सीनियर महिला कोर समूह की खिलाड़ी भी शामिल हैं जिन्हें अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनके प्रदर्शन के आधार पर बरकरार रखा गया है। जूनियर महिला टीम की ओर से अच्छा प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को भी इस सूची में जगह मिली है जिसे अगले साल होने वाले महिला एशिया कप की तैयारियों से पहले 33 खिलाड़ियों तक सीमित किया जाएगा। महिला टीम की मुख्य कोच जानेका शोपमैन ने कहा कि खिलाड़ियों का चयन सीनियर और जूनियर महिला अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के अलावा सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2021, पहली सीनियर महिला अंतर विभाग राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2021 और हॉकी इंडिया से स्वीकृत अन्य घरेलू प्रतियोगिताओं में प्रदर्शन के आधार पर किया गया है। उन्होंने कहा कि सीनियर मिला कोर संभावित खिलाड़ियों में शामिल रही अधिकतर 33 खिलाड़ियों को इस सूची में जगह मिली है लेकिन उन्हें पता है कि ट्रायल के दौरान उन्हें अपनी क्षमता साबित करनी होगी जिससे कि सुनिश्चित हो कि उन्हें 33 खिलाड़ियों की अंतिम सूची में जगह मिले। अगले साल एशिया कप 2022, एफआईएच हॉकी प्रो लीग और फिर एफआईएच महिला विश्व कप और महत्वपूर्ण एशियाई खेलों सहित कई शीर्ष टूर्नामेंट होने हैं, इसलिए हमारे लिए महत्वपूर्ण है कि हमारे पास 33 खिलाड़ियों का मजबूत पूल हो।

मेंडी की हैट्रिक से नेरोका ने श्रीनिदी डेक्कन को 3-2 से हराया

कोलकाता (एजेंसी) । पदार्पण कर रहे स्पेन के स्ट्राइकर सर्जियो मेंडीगुचिया की हैट्रिक की बदौलत नेरोका एफसी ने सोमवार को यहां आईलीग फुटबॉल टूर्नामेंट में श्रीनिदी डेक्कन को 3-2 से हरा दिया। श्रीनिदी डेक्कन की ओर से गिरिक खोसला और डेविड कास्तेनादा मुनोज ने गोल दागे लेकिन मणिपुर की टीम मेंडी की हैट्रिक से तीन अंक हासिल करने में सफल रही। नेरोका ने अपने नए खिलाड़ी मेंडी की बदौलत 15वें मिनट में बढ़त बनाई। मेंडी ने स्पेन के अपने साथ खिलाड़ी जुआन मेरा की फ्री किक पर यह गोल किया। मेंडी और मेरा की जोड़ी ने 22वें मिनट में एक और गोल दागा। मेरा ने फ्रीकिक पर आई गेंद को अपने कब्जे में लिया और मेंडी को पास दिया जिन्होंने गोल करने में कोई गलती नहीं की। खोसला ने 41वें मिनट में गोल दागकर स्कोर 1-2 किया। मध्यांतर के बाद 49वें मिनट में मेंडी ने एक और गोल करके पदार्पण मुकाबले में हैट्रिक बनाई। कास्तेनादा ने 59वें मिनट में हैडर से गोल दागकर नेरोका की बढ़त को कम किया लेकिन श्रीनिदी डेक्कन को हार से नहीं बचा पाए।

बारिश के कारण नहीं हो पाया भारत-दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे दिन का खेल

सेंचुरियन (एजेंसी) ।

बारिश के कारण भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहले क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल नहीं हो पाया। रात से हो रही बारिश के कारण सुबह मैदान गीला था जिसके बाद अंपायरों ने इसका निरीक्षण कर दूसरे दिन का खेल रद्द कर दिया। इस मैच के पहले दिन भारतीय टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अपनी पहली पारी में 3 विकेट पर 272 रन बनाए थे। लोकेश राहुल नाबाद 122 जबकि अजिंक्य रहाणे नाबाद 40 रनों पर खेल रहे थे। पहले दिन भारतीय बल्लेबाज छाये रहे ओर उन्होंने मेजबान टीम दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

अंडर-19 एशिया कप

भारतीय मध्यक्रम बना तारणहार, टीम इंडिया ने अफगानिस्तान को 4 विकेट से हराया

(एजेंसी) ।

दुबई के मैदान पर अंडर-19 एशिया कप के तहत आई.सी.सी. अकादमी ग्राऊंड में अफगानिस्तान की टीम ने पहले खेलते हुए भारत को 260 रन का लक्ष्य दिया जिसे टीम इंडिया ने चार विकेट से जीत लिया। भारतीय टीम की जीत में मध्यक्रम के बल्लेबाजों राज बावा और कुशाल तांबे का योगदान बेहतरीन रहा। दोनों ने ताबड़तोड़ पारी खेलते हुए टीम को 48.2 ओवरों में जीत दिला दी। इससे पहले अफगानिस्तान के ओपनर अरबजई और इसाक ने टीम को सधी हुई शुरूआत दी थी। दोनों ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। अरबजई ने 18 तो इसाक ने 19 रन बनाए। इसके अलावा अल्लाह नूर ने 26 रन बनाए। अफगानिस्तान के कप्तान सुलीमन साफी ने इजाज अहमद के साथ मिलकर अपनी टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचाया। कप्तान सफी ने जहां 86 गेंदों में 7 चौके और 1 छक्के की मदद से 73 रन बनाए तो वहीं, अजाज ने 68 गेंदों में एक चौके और 7 गगनचुंबी छक्कों की मदद से 86 रन बनाकर टीम को आगे ले गए। खैबर वली ने भी 12 गेंदों में चार चौकों की मदद से 20 रनों का योगदान दिया। भारतीय टीम की ओर से राजवर्धन ने 10 ओवर में 74 रन देते हुए एक विकेट लिया। वहीं, राज बावा ने 66 रन पर 1, विक्की ने 35 रन पर एक तो कुशाल तांबे ने 25 रन देकर एक विकेट हासिल किया। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत बेहद अच्छी रही। शानदार फॉर्म में चल रहे हरनूर सिंह ने 74 गेंदों में नौ चौकों की मदद से 65 रन बनाए। वहीं, रघुवंशी ने 47 गेंदों में पांच चौकों की मदद से 35 रन बनाए। पिछले मैच में गोल्डन डक का शिकार हुए यश दुल 35 गेंदों में 26 रन बनाकर आऊट हुए।

टीम इंडिया मजबूती से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी। लेकिन लगातार अंतराल पर विकेट गिरने के कारण एक समय टीम इंडिया संकट में आ गई। अफगानिस्तान के नूर अहमद ने चार विकेट लेकर टीम इंडिया को झटके दिए। 38वें ओवर तक भारत छह विकेट गंवाकर 197 रन ही बना पाया था लेकिन इसके बाद राज बावा और कुशाल तांबे ने बेहतरीन साझेदारी निभाई और अपनी टीम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त समाचार

धोनी के टेस्ट से संन्यास की घोषणा पर हैरान थे सभी : शास्त्री

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने पिछले कुछ दिनों में भारतीय क्रिकेट से जुड़े कई मामलों पर अपने विचार साझा किए हैं। शास्त्री ने इसमें पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के टेस्ट क्रिकेट से अचानक संन्यास वाले फैसले को लेकर भी अहम खुलासे किये हैं। शास्त्री ने कहा कि मेलबर्न में उस समय सभी हैरान थे जब धोनी ने कहा कि अब वह टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेंगे। साथ ही कहा कि धोनी मेरे पास आये कहा कि कि रवि भाई मुझे टीम के सभी खिलाड़ियों से बात करनी है। तब मैंने कहा ठीक है। मैंने सोचा कि वह कुछ कहेंगे कि हमने अंतिम दिन शानदार बल्लेबाजी करते हुए मैच ड्रा कराया है जो एक बड़ी बात है। शास्त्री ने कहा, वहीं धोनी आये और कहा कि मेरा टेस्ट क्रिकेट के साथ काम पूरा हो गया है। मैंने सिर्फ ड्रेसिंग रूम के आस-पास के चेहरे देखे, उनमें से ज्यादातर सदमे की स्थिति में थे। उन्होंने कहा कि वह जानता था कि अगला कप्तान कौन था। वह बस उस घोषणा को करने के लिए सही समय की प्रतीक्षा कर रहा था क्योंकि वह जानता था कि उसका शरीर कितना सह सकता है। वह अपने सीमित ओवरों के करियर को लंबा करना चाहते थे। जब उसे लगा कि उसका शरीर अब और नहीं खेल सकता तो उसने टेस्ट को अलविदा कहने की घोषणा कर दी थी। धोनी का अंदाज आखिरकार अलग ही है।

आईसीसी को अब भी लॉस एंजिल्स ओलंपिक में जगह मिलने की उम्मीद

नई दिल्ली । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट समिति (आईसीसी) को अब भी उम्मीद है कि लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल 2028 में क्रिकेट को जगह मिल जाएगी। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) की प्रारंभिक सूची में क्रिकेट को इन खेलों में जगह नहीं दी गयी है। इससे पहले आईओसी ने ओलंपिक 2028 के लिये जिन 28 खेलों की प्रारंभिक सूची जारी की थी उसमें स्केटबोर्डिंग, सर्फिंग और स्पोर्ट क्लाइबिंग भी शामिल रहे हैं। क्रिकेट के अलावा मुक्केबाजी, भारोत्तोलन और मॉडर्न पेंटाथलॉन को भी इसमें जगह नहीं मिली है। वहीं इन खेलों के संबंधित अंतरराष्ट्रीय महासंघों को ओलंपिक 2028 में अपना स्थान सुरक्षित करने के लिये कुछ मानदंडों को पूरा करने के लिये 2023 तक का समय दिया गया है। इस प्रारंभिक सूची को अगले साल फरवरी में बीजिंग में आईओसी बैठक में मंजूरी के लिये रखा जाएगा जो कि केवल औपचारिक होने की संभावना है। मेजबान शहर लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 में शामिल करने के लिये 2023 में अतिरिक्त खेलों का प्रस्ताव भी रख सकता है और आईसीसी को उम्मीद है कि इनमें क्रिकेट भी शामिल होगा। बेसबॉल, साफ्टबॉल और अमेरिकी फुटबॉल का एक अन्य प्रकार ओलंपिक 2028 में अतिरिक्त खेल के लिये दौड़ में शामिल हो सकते हैं। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा,मेजबान शहर द्वारा अतिरिक्त खेलों के चयन की प्रक्रिया अगले साल 2023 से शुरू हो जाएगी और हमें उम्मीद है कि क्रिकेट भी इसमें शामिल रहेगा हालांकि हम जानते हैं कि यह आसान नहीं रहेगा। इससे पहले आईसीसी ने कहा था कि अगस्त में लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेल 2028 में क्रिकेट को शामिल करने के लिये अपने इरादे जाहिर किया थे और कहा था कि बीसीसीआई का भी उसे समर्थन हासिल था।

बजरंग ने मास्को में शुरू किया अभ्यास, अगले साल इन टूर्नामेंट्स में लेंगे हिस्सा!

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान बजरंग पूनिया सत्र से पहले 26 दिन के अभ्यास शिविर के लिये सोमवार को मास्को पहुंच गए हैं जहां वह 21 जनवरी तक तैयारियां करेंगे। टोक्यो ओलंपिक के बाद बजरंग पहली बार अभ्यास शिविर में भाग ले रहे हैं। बजरंग ने रूस से जारी बयान में कहा, 'ओलंपिक के बाद यह मेरा पहला अभ्यास शिविर है और मुझे उम्मीद है कि यह मेरे लिए बहुत अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा, 'मैंने रूस को इसलिए चुना क्योंकि उसके पहलवानों ने ओलंपिक खेलों और विश्व चैंपियनशिप में सबसे अधिक पदक जीते। मुझे अनुभवी पहलवानों के साथ अभ्यास करने का फायदा मिलेगा। खेल मंत्रालय के मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) ने उनके इस दौरे के लिए कुल 7.53 लाख रुपए मंजूर किए हैं। बजरंग के साथ जितेंदर उनके अभ्यास के साथी और आनंद कुमार फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में गए हैं। बजरंग को आगे कई प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना है जिनमें यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग प्रतियोगिताएं, बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेल और चीन के हांगजोउ में होने वाले एशियाई खेल शामिल हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे फरवरी में इटली और तुर्की में रैंकिंग सीरीज में भाग लेना है और फिर अप्रैल में मंगोलिया में एशियाई चैंपियनशिप होगी। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने जा रहा हूं क्योंकि मुझे पेरिस ओलंपिक 2024 में अपने पदक का रंग बदलना है।'

कोरोना संक्रमण के मामलों से श्रृंखला पर असर नहीं पड़ेगा : एंडरसन

मेलबर्न । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन का मानना है कि दो खिलाड़ियों के कोरोना संक्रमित होने के बाद भी शायद ही श्रृंखला पर कोई प्रभाव पड़ेगा। एशेज के तीसरे टेस्ट में इंग्लैंड के सहयोगी स्टाफ के दो सदस्य कोरोना पॉजिटिव पाये गये थे उसके बाद से ही इस श्रृंखला पर संशय गहरा गया है। एंडरसन ने कहा कि हम दूसरे दिन नियमित समय पर मैदान पर पहुंचने के लिये बस में पहुंच गए थे पर इसके बाद हमें उतरने के लिए कह दिया गया था। तब पता चला कि दो लोग संक्रमित हुए हैं। इसके बाद हमारी टीम के खिलाड़ियों के टेस्ट लिए गए।एंडरसन ने कहा कि सभी के टेस्ट निगेटिव आये हैं। ऐसे में मैच स्थगित करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। सभी खिलाड़ी ठीक अनुभव कर रहे हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मार्कस हैरिस ने कहा कि दुनिया भर में अभी जो हालात हैं उसमें पेरशानियां तो आयेंगी ही। हर कोई पूरी कोशिश कर रहा है कि मैच होना चाहिये। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने कहा है कि यह सीरीज जारी रहेगी और इसे स्थगित करने का कोई सवाल नहीं है।

विराट को सीमित ओवरों की कप्तानी से हटाये जाने का लाभ मिलेगा : शास्त्री

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने अब कहा है कि विराट कोहली को एकदिवसीय कप्तानी से हटाये जाने से लाभ ही होगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने हाल ही में टेस्ट सीमित ओवरों के लिए अलग-अलग कप्तान बनाये हैं। विराट को जहां टेस्ट की कमान दी है, वहीं एकदिवसीय और टी20 की कप्तानी रोहित शर्मा को मिली है। भारतीय टीम अभी दक्षिण अफ्रीका दौरे पर है जहां टेस्ट सीरीज में विराट कप्तानी कर रहे हैं। इसके बाद एकदिवसीय सीरीज में रोहित कप्तानी करेंगे। शास्त्री के अनुसार टेस्ट और एकदिवसीय टीम के अलग-अलग कप्तान होना सही है। यह एक तरह से विराट और रोहित के लिए आपदा में अवसर जैसा साबित होगा। इसका कारण यह है कि कोरोना से पैदा हुए बायोबबल के हालात में एक ही व्यक्ति के लिए तीनों फॉर्मेट में टीम की कप्तानी संभालना आसान नहीं है। साथ ही कहा कि एकदिवसीय कप्तानी से हटने के बाद अब विराट टेस्ट क्रिकेट पर ध्यान दे सकते हैं। इससे वह अपनी बल्लेबाजी में पहले वाली लय भी हासिल कर सकते हैं। पिछले एक साल से वह उम्मीद के अनुसार रन नहीं बना पाये हैं। अभी भी उनमें 5-6 साल का क्रिकेट बचा है। जिसमें वह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर सकते हैं। शास्त्री ने कहा कि इस मामले में बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली को भी अपनी बात रखनी चाहिए। साथ ही कहा कि अगर बातचीत सही तरीके से की जाती तो इस मामले को बेहतर तरीके से संभाला जा सकता था। इससे पहले गांगुली ने कहा था कि विराट को टी20 कप्तानी नहीं छोड़ने के लिए कहा गया था पर वह नहीं थे। वहीं इसके बाद विराट ने अपने बयान में इसे गलत बताया था।

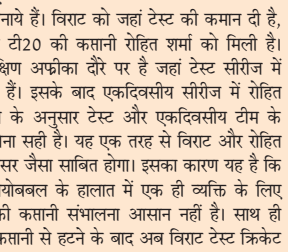

हैदराबाद को IPL खिताब दिलाने वाले बिपुल शर्मा ने लिया संन्यास, अमरीका जाएंगे

(एजेंसी)।

टीम इंडिया में खेलने की चाहत पूरी न हुई तो भारतीय क्रिकेटर ने संन्यास लेकर अमरीका का रुख कर लिया है। आई.पी.एल. में पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद के लिए खेल चुके स्पिनर बिपुल शर्मा अहम मैचों के बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने 2016 आई.पी.एल. में हैदराबाद की जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

हैदराबाद की जीत में अहम था बिपुल का योगदान

बिपुल अहम मैचों के प्लेयर रहे। 2016 में जब सनराइजर्स हैदराबाद ने डेविड वार्नर की कप्तानी में कप जीता तो बिपुल का प्रदर्शन चर्चा में रहा। दरअसल, कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ एलिमिनेटर मैच में उन्होंने महज 11 गेंदों में 27 रनों की पारी खेलकर अपनी टीम को आगे बढ़ाने में मदद की थी। वहीं, फाइनल मुकाबला जोकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ खेला गया था, में अहम मौके पर उन्होंने डीविलियर्स की विकेट निकाली थी। डीविलियर्स अगर उस मैच में न आऊट होते तो हैदराबाद के लिए जीतना काफी मुश्किल हो जाता।

उन्मुक्त चंद भी जा चुके हैं अमरीका

38 वर्षीय बाएं हाथ के स्पिनर बिपुल शर्मा भारतीय क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद अब अमरीकी क्रिकेट टीम की ओर से खेलते हुए नजर आ सकते हैं। बिपुल पहले भारतीय खिलाड़ी नहीं हैं जो अमरीका से खेलेंगे उनसे पहले भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम को विश्व कप दिलाने वाले कप्तान उनमुक्त चंद भी रिटायरमैंट लेकर अमरीका जा चुके हैं।

बिपुल शर्मा का करियर

फर्स्ट क्लास : 59 मैच, 3012 रन, सर्वश्रेष्ठ 200, विकेट 126

लिस्ट ए : 96 मैच, 1620 रन, सर्वश्रेष्ठ 100, विकेट 96

टी-20 आई : 105 मैच, 1203 रन, सर्वश्रेष्ठ 79, विकेट 84

जरुरत से ज्यादा रक्षात्मक रुख अपना रहे स्टोक्स सहित इंग्लैंड के सभी खिलाड़ी : पोंटिंग

मेलबर्न ।

ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के कप्तान रिकी पोंटिंग ने इंग्लैंड की एशेज सीरीज में खराब बल्लेबाजी को लेकर कहा है कि उसके खिलाड़ी डरे हुए नजर आ रहे हैं और जरुरत से ज्यादा रक्षात्मक रुख अपनाये हुए हैं। यहां तक कि ऑलराउंडर बेन स्टोक्स में भी अब उस प्रकार की आक्रमकता नहीं दिख रही है जिसके लिए वह जाने जाते हैं। पोंटिंग का मानना है कि स्टोक्स में वह आक्रामकता नजर नहीं आ रही जिससे विरोधी टीमें भयभीत रहती थी और मौजूदा एशेज सीरीज में वह भी रक्षात्मक नजर आये हैं। पोंटिंग ने कहा, 'वह अति रक्षात्मक खेल रहा है। वह स्टोक्स दिख ही नहीं रहा जिसकी आक्रामक से विरोधी टीमें दबाव में आ जाती थीं।' उन्होंने कहा, 'इसका एक कारण यह नजर आ रहा है कि एक तो बल्लेबाजी के लिए हालात अनुकूल नहीं है और दूसरा उसका सामना सबसे अच्छे गेंदबाजों से हो रहा है।' पोंटिंग ने कहा कि स्टोक्स को इंग्लैंड को संकट से निकालने के लिए पारंपरिक रवैये को छोड़कर आक्रामक रुख अपनाना होगा। उन्होंने कहा, 'लेकिन मुझे लगता है कि आप हाथ पर हाथ धरकर नहीं बैठ सकते। ऐसे में तो ये गेंदबाज दबाव बनाते जाएंगे। जब मैं खेलता था तब टीम में हम अक्सर कहते थे कि जितना अच्छा गेंदबाज होगा, उतना ही ज्यादा जोखिम भी बल्लेबाज को लेना होगा क्योंकि कोई खराब गेंद नहीं मिलने वाली।' उन्होंने कहा कि इंग्लैंड के बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से भी स्टोक्स पर दबाव बढ़ा है। उन्होंने कहा, 'पांचवें नंबर पर उतरने के कारण उसे पता है कि उसका रन बनाना कितना जरूरी है।

सूरत भाजपा जिलाध्यक्ष के बाद , नगर महासचिव और उपमहापौर कोरोना पॉजिटिव

गुजरात समेत सूरत में जहां कोरोना के मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है, वहीं गुजरात सरकार की ओर से राज्य भर में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं. गत दिवस सूरत में साइक्लोथान, नदी उत्सव व अन्य कार्यक्रम हुए। जिसमें ज्यादातर नेता बिना मास्क के नजर आए। कार्यक्रम में मौजूद नगर भाजपा महासचिव की आज कोरोना की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डिप्टी मेयर भी कोरोना से संक्रमित हो चुके हैं.

कोरोना के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले नेता हो रहे संक्रमण के शिकार

सूरत में राज्य सरकार और बीजेपी की ओर से आयोजित जनसभा के बाद सूरत शहर और जिले के बीजेपी नेताओं में पॉजिटिव आना शुरू हो गया है. विभिन्न समारोहों में कोरोना के दिशा-निर्देशों का उल्लंघन करने वाले नेता संक्रमण के शिकार हो रहे हैं. कल जिला भाजपा अध्यक्ष के पॉजिटिव आने के बाद आज सूरत शहर के उपमहापौर दिनेश जोधानी और नगर भाजपा महासचिव किशोर बिंदल कोरोना पॉजिटिव घोषित किये गये हैं.

सार्वजनिक समारोहों में मास्क और सामाजिक दूरी के झंडे लहरा रहे हैं

भाजपा नेता सार्वजनिक समारोहों में मास्क और सामाजिक दूरी के झंडे ऐसे पहन रहे हैं मानो वे कोरोना सुपर स्प्रेडर हों। लोगों को सावधान रहने की सलाह देने वाले नेता अब शिकार हो रहे हैं. भाजपा जिलाध्यक्ष संदीप देसाई कल कोरोना पॉजिटिव आए थे। उनके संपर्क में आए नेता सीएम के कार्यक्रम में शामिल हुए.

ओडिशा के 3 करोड़ के गांजे के हेराफेरी के मामले में भगोड़ा आरोपी सूरत से गिरफ्तार

6 महीने से हीरा घीसने का काम कर रहा था

सूरत

सूरत क्राइम ब्रांच की एक टीम ने ओडिशा के गंजाम जिले के पापुर थाने में 3 करोड़ रुपये की 3157 किलोग्राम गांजा तस्करी के मामले में मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है. पकड़ा गया संजय हारि गौड़ा सूरत में हीरा पीसकर गुजारा कर रहा था। सूरत क्राइम ब्रांच ने संजय की हिरासत ओडिशा पुलिस को सौंप दी है।

सूरत अपराध शाखा ने कहा कि सूरत पुलिस के सूरत शहर में ड्रग्स नहीं अभियान के तहत, पुलिस की एक टीम भांग के आपूर्तिकर्ताओं के साथ-साथ ओडिशा के आदतन अपराधियों को खोजने के लिए काम कर रही थी, जो एनडीपीएस अपराधी अलग-अलग राज्यों में गांजा बेच रहे थे और सूरत में शरण ले रहे थे। । इस दौरान डी.सी. बी. पुलिस को मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने नजर रखी और आरोपित संजय हारि गौड़ा (यू.वी. 30) को गजरा सर्कल लेक गार्डन, कटारगाम के पास एक सार्वजनिक सड़क से उठा लिया.

6 महीने से फरार था आरोपी

उन्होंने आगे कहा कि संजय गौड़ा ने पुलिस पूछताछ में कबूल किया था कि वह सूरत में शरण लेने के इरादे से हीरा तस्कर के तौर पर काम कर रहा था. फ्लैट नंबर-306, शिव अपार्टमेंट अमरोली में रहता था। वह ग्राम पोदामेरी, थाना-पट्टपुर, जी-गंजम (ओडिशा) के मूल निवासी हैं। इसके ऊपर गंजाम पट्टपुर पो.स्टे. एनडीपीएस अधिनियम 1985 की धारा 20 (बी) (ii) सी, 25, 29 के तहत अपराध में वांछित आरोपी, शिकायत संख्या 021/2021। सूरत पुलिस ने आरोपी की हिरासत ओडिशा के गंजाम पट्टपुर डाकघर को सौंप दी है।

ग्रीनमैन विरल देसाई को ग्लोबल एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट एक्शन सिटीजन अवार्ड से नवाजा

सूरत- सूरत के उद्योगपति और ग्रीनमैन के नाम से मशहूर पर्यावरणविद् विरल देसाई को दुबई के पाम अटलांटिस होटल में अंतरराष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित किया गया है। वे एकमात्र भारतीय हैं जिन्हें ग्लोबल एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट एक्शन सिटीजन अवार्ड फॉर क्लाइमेट एक्शन से सम्मानित किया गया है। इस समारोह में भारत, ब्रिटेन, अमेरिका, न्यूजीलैंड, पेरिस और मलेशिया सहित ग्यारह देशों के विजेताओं ने भाग लिया। यूएई के फोरेन ट्रेड एन्ड इकोनोमिक डेवलोपमेंट के डायरेक्टर शेख अवाद मोहम्मद मुजरीन भी मौजूद थे।

गौरतलब है कि पिछले 23 दिसंबर को दुबई की पाम अटलांटिस होटल में संस्कृति युवा संस्थान के पंडित सुरेश मिश्रा द्वारा किया गया था। जिसमें भारतीय और विदेशी 28 हस्तियों को भारत गौरव सम्मान से नवाजा गया। इस सूची में मोटिवेशनल स्पीकर पद्मश्री गौर गोपालदास, पोलो प्लेयर अश्विनी कुमार शर्मा, अक्षयपात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष पद्मश्री मधु पंडित दास, संगीतकार पद्मभूषण पंडित विश्वमोहन भट्ट, पद्मश्री रामकिशोर छिपा, निर्भया की मां आशादेवी और डच बैंक के सीईओ साकेत मिश्रा जैसे हस्ती शामिल है।

इस संबंध में ग्रीनमैन विरल देसाई ने कहा, प्रकृति सेवा हमें कहीं भी ले जा सकती है। हमें बस प्रकृति में आस्था रखनी है और प्रकृति की रक्षा के लिए कड़ी मेहनत करनी है। वरना सब कुछ अपने आप हो जाता है। यह तीसरी बार है जब मुझे किसी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। पर्यावरण की रक्षा के लिए मुझे इस अंतरराष्ट्रीय सम्मान के योग्य मानने के लिए मैं भारत गौरव की टीम के साथ-साथ पंडित सुरेश मिश्राजी का भी बहुत आभारी हूं।

उल्लेखनीय है कि दुबई के पाम अटलांटिस होटल में आयोजित समारोह में विरल देसाई ने गांधी टोपी पहनकर गर्व से सम्मान स्वीकार किया, जो कई विदेशी मेहमानों के लिए आकर्षण का केंद्र बना। कई विदेशी गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ भारत गौरव विजेताओं ने विरल देसाई के पास ग्रीन उधा मॉडल स्टेशन के बारे में पूछताछ की और भारत में अधिक पेड़ लगाने और पर्यावरण मॉडल तैयार करने के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर करने की इच्छा व्यक्त की।

शहर में ओमिक्रॉन का पहला मरीज हुआ स्वस्थ, अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया

अहमदाबाद।

गुजरात समेत देशभर में ओमिक्रॉन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। दुनियाभर में हाहाकार मचानेवाला कोरोना का नया वेरिएन्ट ओमिक्रॉन अब भारत में अपने पैर पसार रहा है। गुजरात में ओमिक्रॉन के मामले 50 पर पहुंच गए हैं। ओमिक्रॉन के हव्वा के बीच अहमदाबाद में इसके पहले मरीज को ठीक होने के बादडि स्चार्ज किया गया है। लंदन से आए इस मरीज में कोरोना के कोई लक्षण नहीं थे, इसके बावजूद ओमिक्रॉन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में ओमिक्रॉन वार्ड में 13 दिन उपचार के बाद रिपोर्ट नेगेटिव आने पर उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। 15 दिसंबर को मरीज को ओमिक्रॉन के संदिग्ध मामले के रूप में अस्पताल में भर्ती किया गया था। जहां 19 दिसंबर को ओमिक्रॉन की रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। दरअसल आणंद के 48 वर्षीय प्रफुल्ल शास्त्री लंदन से अहमदाबाद आए थे और एयरपोर्ट पर कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी। अहमदाबाद के सिविल अस्पताल में ओमिक्रॉन के लिए बनाए गए अलग वार्ड में प्रफुल्ल शास्त्री इकलौता मरीज थे। स्वस्थ होने के बाद प्रफुल्ल शास्त्री ने बताया कि ओमिक्रॉन से डरने की जरूरत नहीं बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है। ओमिक्रॉन के मुझे में कोई लक्षण नहीं थे, परंतु रिपोर्ट पॉजिटिव आई थी।

अहमदाबाद मंडल के 02 रेल कर्मचारी रेल संरक्षा में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित

अहमदाबाद

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल पर रेलवे संरक्षा के प्रति जागरूक रहने एवं सतर्कता के साथ उत्कृष्ट कार्य करने वाले 2 रेलकर्मियों को मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। मण्डल रेल प्रबंधक तरुण जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि रेलवे में संरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा प्रत्येक रेलकर्मी इस हेतु सजग रहता है। ड्यूटी के दौरान उनकी सजगता से रेल दुर्घटनाओं की आशंका दूर होती है वहीं ये कुशल एवं सजग प्रहरी दूसरे रेल कर्मियों के प्रति भी अनुकरणीय उदाहरण बनते हैं। ड्यूटी के दौरान सजगता, सतर्कता एवं जागरूकता से कार्य करने से रेल हादसों को टाला जा सकता है। वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी ए.वी. पुरोहित के अनुसार अहमदाबाद मण्डल के उल्लेखनीय कार्य करने वाले 02 रेलकर्मी जिन्होंने संभावित रेल हादसों को रोकने में लगन,निष्ठा एवं मेहनत से समय रहते हुए कार्य किया एवं उच्च अधिकारियों को सूचित किया जिससे संभावित दुर्घटनाओं को टाला जा सका जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार हैं–

अशोक चंदू टेक्नीशियन कोचीग डिपो अहमदाबाद दिनांक 04.12.2021 को गाडी संख्या 20823 (पुरी-अजमेर एक्स्प्रेस) के कोच संख्या 194849/LWAC-CA/ECOR मे रोलिंग परीक्षण के दौरान साउथ वेस्ट प्राइमरी आउटर स्प्रिंग को टूटी हुई देखा जिसकी जानकारी अपने पर्यवेक्षक को दिया । यह सुरक्षा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण था तथा इस अवस्था मे कोच को चलाना असुरक्षित था,इसलिए ट्रेन को 80 चरक्का॥ की स्पीड से गंतव्य तक जाने की अनुमति प्रदान की गई। यह उनकी सतर्कता व समय सुचकता के कारण रेल दुर्घटना को होने से बचाया गया यह कार्य अत्याधिक सराहनीय एंवम प्रशंसा के पात्र है।

जीरो टॉलरेंस - पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा अहमदाबाद मंडल का संरक्षा निरीक्षण

अहमदाबाद । पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल ने 23 दिसंबर, 2021 को अहमदाबाद मंडल का वार्षिक निरीक्षण किया। पालनपुर-अहमदाबाद खंड के गहन निरीक्षण के दौरान कंसल ने पुलों, कर्वों, समपार फाटकों आदि पर संरक्षा मानकों के साथ-साथ पालनपुर, सिद्धपुर, उंझा, महेसाणा और साबरमती स्टेशनों पर यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया। महाप्रबंधक के साथ प्रमुख विभागाध्यक्ष, अहमदाबाद मंडल के मंडल रेल प्रबंधक और मंडल शाखा अधिकारी भी थे। कंसल ने साबरमती में सांसदों डॉ. किरीटभाई सोलंकी और नरहरि अमीन, पालनपुर में सांसद दिनेश अनावाडीया और महेसाणा में माननीय विधायक रमनभाई पटेल से मुलाकात की। उन्होंने अहमदाबाद मंडल में चल रही विभिन्न ढांचागत और विकास परियोजनाओं की प्रगति से उन्हें अवगत कराया और माननीय सांसदों द्वारा दिए गए सुझावों को भी नोट किया। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी सुमित ठाकुर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार श्री कंसल ने पालनपुर स्टेशन पर आरपीएफ द्वारा गार्ड ऑफ ऑनर लिया। स्टेशन के गहन निरीक्षण के दौरान महाप्रबंधक ने स्टेशन पर विभिन्न यात्री सुविधाओं का जायजा लिया तथा रनिंग रूम, क्रू लॉबी, एआरएमई और आरआरआई का निरीक्षण किया और रनिंग रूम में नवविकसित महिला क्रू विश्राम सुविधा का उद्घाटन किया। कंसल ने कर्मचारियों और उनके परिवारों के लिए कई सुविधाओं का उद्घाटन किया जिसमें एक चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम, 12 टाइप द्वुद्वुद्व क्वार्टर एक बगीचे के साथ शामिल हैं। महाप्रबंधक ने पार्सल मैनेजमेंट सिस्टम (पीएमएस), ई-सेफ ऑपरेशन और सीसीटीवी रूम का भी उद्घाटन किया। इसके बाद कंसल ने पालनपुर स्टेशन पर जन प्रतिनिधियों, पश्चिम रेलवे के ट्रेड यूनियनों/एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों और प्रेस मीडिया से बातचीत की। सिद्धपुर जाने के क्रम में महाप्रबंधक ने उमरदशी और छापी स्टेशनों के बीच एक महत्वपूर्ण पुल का संरक्षा निरीक्षण किया। सिद्धपुर स्टेशन पर महाप्रबंधक ने स्टेशन और स्टाफ क्वार्टर का गहन निरीक्षण किया और साथ ही रेलवे कॉलोनी गार्डन, गैंग टूल कम रेस्ट रूम और सोलर वाटर कूलर का उद्घाटन किया. तत्पश्चात श्री कंसल ने उंझा स्टेशन पर संरक्षा पहलुओं का निरीक्षण किया, जहां यात्री सुरक्षा पर एक नुक्कड़ नाटक किया गया। कंसल ने महेसाणा स्टेशन का गहन निरीक्षण किया।

उन्होंने आरआरआई, एसएसपी, ओएचई डिपो, गैंग और एक बड़े कॉलोनी का भी निरीक्षण किया। महेसाणा में महाप्रबंधक ने स्टाफ क्वार्टर, चिल्ड्रन पार्क, ओपन जिम, क्वार्टर मॉड्यूल, सर्कुलेटिंग एरिया में पुनर्निर्मित उद्यान, ऑफिसर्स रेस्ट हाउस, क्रिक वाटरिंग सिस्टम, ई-बीट पेट्रोलिंग मैनेजमेंट ऐप और एस एंड टी ट्रेनिंग सेंटर का भी उद्घाटन किया। एचआरएमएस पर एक आकर्षक और ज्ञानवर्धक नुक्कड़ नाटक का प्रदर्शन किया गया। कंसल ने सूचना समृद्ध पुस्तिकाएं, पत्रक, पोस्टर और सूचनात्मक बोर्ड जारी किए जिससे कर्मचारियों को उनके दिन-प्रतिदिन के कार्य में लाभ होगा। इसके बाद महाप्रबंधक कंसल ने जगुदान स्टेशन पर समपार, अंबलियासन स्टेशन पर पुल और कर्वों और डंगरवा-खोडियार खंड का संरक्षा निरीक्षण किया। साबरमती में कंसल ने स्टेशन पर उत्पन्न अपसाइकल और रिसाइकिल रेलवे सामग्री/कचरे से बने मॉड्यूलर बायो-टॉयलेट का उद्घाटन किया और जन प्रतिनिधियों, पश्चिम रेलवे के ट्रेड यूनियनों/एसोसिएशनों के प्रतिनिधियों और प्रेस मीडिया के साथ बातचीत की।

स्वास्थ्य मंत्री ने तीसरी लहर की आशंका जताई, कहा-सरकार किसी भी स्थिति के लिए तैयार

अहमदाबाद।

गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री ने राज्य में लगातार बढ़ते कोरोना के मामलों को देखते हुए तीसरी लहर की आशंका जताई है। साथ ही कहा है कि राज्य सरकार किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार है। राज्य के अस्पतालों में आईसीयू बेड समेत सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने एक एप्लीकेशन तैयार की है, जिसकी मदद से संबंधित व्यक्ति के निकट के किसी अस्पताल में बैड खाली है, उसकी जानकारी प्राप्त हो सकेगी। आईसीयू और ऑक्सीजन बैड समेत सभी जानकारियां इस एप के जरिए लोगों को मिलेंगी। ताकि किसी भी नागरिकों को अस्पताल खोजने में असुविधा नहीं हो और उसका समय पर उपचार शुरू हो सके। मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल आज ही इस एप को लोंच करेंगे। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए लोगों के लिए कोरोना गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य है। सरकारी कार्यक्रमों का कोरोना गाइडलाइन के मुताबिक आयोजन किया जाता है, ताकि उसका सही तरीके से पालन हो सके। केवल फोटोग्राफी के दौरान ही मास्क निकाला जाता है और बाकी समय में सभी मास्क लगाए रहते हैं।

गौरतलब है कि तीसरी लहर की आशंका को देखते हुए केन्द्र सरकार ने नई गाइडलाइन जारी की है और इसका कड़ाई से अमल करने का राज्य सरकारों को आदेश दिया है। गाइडलाइन के मुताबिक सोसायटियों में पॉजिटिव रेट 10 प्रतिशत से अधिक होने पर उसे अतिगंभीर माना जाएगा। जबकि कंटेंटमेंट जोन में 40 प्रतिशत से अधिक लोगों के संक्रमित होने पर गंभीर माना जाएगा। केन्द्र सरकार ने जरूरत के मुताबिक क्लस्टर और माइक्रो कंटेंटमेंट जोन घोषित करने और अस्पताल में पर्याप्त मात्रा में दवाईयां और स्टाफ समेत अस्पताल के स्टाफ को तालीमबद्ध करने का भी आदेश दिया है।

सूरत में कपड़ा उद्योग पर जीएसटी दर 5% से बढ़ाकर 12% करने के निर्णय के खिलाफ AAP द्वारा बैनर और नारों के साथ कलेक्टर को आवेदन

सूरत

सूरत का कपड़ा उद्योग बहुत बड़ा है। यहां कई लोगों को रोजगार मिलता है। टेक्सटाइल पर जीएसटी बढ़ने का सीधा असर उपभोक्ताओं पर पड़ेगा और इससे आम आदमी और मध्यम वर्ग के लिए टेक्सटाइल और महंगा हो जाएगा। दूसरी तरफ प्रॉडक्शन बिल प्रोसेसिंग में अब जीएसटी का विरोध कर रहा है। सूरत की रंगाई और प्रसंस्करण मिलों के संक्रमण के अनिश्चित माहौल के कारण इसका उत्पादन पर सीधा असर पड़ रहा है। इस वजह से कई लोगों की नौकरी चली गई है. जीएसटी को लेकर व्यापारी लंबे समय से केंद्र सरकार को ज्ञापन दे रहे हैं।

आप उपाध्यक्ष रमेशभाई परमार ने कहा कि एक तरफ जहां लोग कोरोना महामारी से परेशान हैं. दूसरी ओर, राजनीतिक खजाने को भरने के लिए कपड़ा उद्योग पर जीएसटी की दर 5 प्रतिशत से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दी गई है। जिसका हम विरोध करते हैं। इसके अलावा अगर जीएसटी दर में कोई बदलाव नहीं किया गया तो निकट भविष्य में आम आदमी पार्टी भी आंदोलन करेगी

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)